P372

“सपनों को पाने के लिए नींद को त्यागना पड़ता है।”

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

राष्ट्रपिता को नमन...

dainikindoresanket24@gmail.com | इंदौर, शनिवार 11 अक्टूबर 2025 | ■ वर्ष : 4 ■ अंक : 284 ■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

2 बेटे को गोद में लेकर मां ने डाला एसिड, मौत

5 नोरा ने नया गाना दिलबर की आँखों का किया रिलीज

6 प्रदेश में गिराई गई 200 पुरानी मस्जिद नहीं बनेगी दोबारा

लीज आर्या फार्मेसी को, जमीन पर फेक्ट्री वेस्टर्न आर्ट की

38 साल बाद जिला उद्योग केन्द्र के अधिकारियों की खुली नींद

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्यप्रदेश में कोल्ड्रिफ कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत के बाद इंदौर में औषधि प्रशासन और संबंधित विभाग की टीमें लगातार कफ सिरप बनाने वाली कंपनियों की जांच कर रही हैं। हर दिन अलग-अलग जगहों से दवाओं के सैंपल लिए जा रहे हैं और फैक्ट्रियों की जांच की जा रही है।

शुक्रवार को जिला उद्योग केंद्र ने पोलोग्राउंड में स्थित आर्या फार्मेसी को नोटिस भेजा। इसमें पूछा गया है कि जिस जमीन को सरकार ने लीज पर दिया था, उसे आर्या फार्मेसी ने किसी और को किराए पर क्यों दिया। ऐसा करना नियमों के खिलाफ है।

2018 में ड्रग फैक्ट्री का खुलासा-आर्या फार्मेसी पहले भी विवादों में रह चुकी है। साल 2018 में रेवेन्यू इंटेलिजेंस विभाग ने यहां छापा मारा था। इस दौरान एक खतरनाक नशे की दवा फेंटानाइल हाइड्रोक्लोराइड बनाने वाली फैक्ट्री पकड़ी गई थी। बड़ी मात्रा में ड्रग्स जब्त हुई थी और करोड़ों रुपए की मनी लॉन्ड्रिंग का मामला सामने आया था। जांच शुरू हुई, लेकिन बाद में रोक दी गई और कंपनी पर कोई सख्त कार्रवाई नहीं हुई।

अब फिर से यह मामला सामने आया है। ड्रग फेंटानाइल हाइड्रोक्लोराइड के निर्माण की फैक्ट्री के मामले की अधूरी जांच का मुद्दा भी उठाया। ऐसे में जिला उद्योग केंद्र ने टीम भेजकर जांच करवाई। वहां देखा गया कि जमीन पर कोई और यूनिट काम कर रही है। जांच में पता चला कि एक वेस्टर्न आर्ट नाम की कंपनी 38 साल से यहां काम कर रही है। जबकि यह जमीन आर्या फार्मेसी के नाम पर लीज पर दी गई थी।

इन गड़बड़ियों को देखते हुए आर्या फार्मेसी को नोटिस भेजा गया है। जिला उद्योग केंद्र के जीएम स्वप्निल गर्ग ने बताया कि अगर लीज की शर्तों का उल्लंघन हुआ है तो कार्रवाई जरूर होगी। सरकारी जमीन को किसी और को किराए पर देना गलत है।

ब्रेकिंग न्यूज

- अरुणाचल प्रदेश के ईस्ट कामेंग में भूकंप आया, तीव्रता 3.5 मापी गई
- अनिल अंबानी ग्रुप के सीएफओ अशोक पाल गिरफ्तार, मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी का एक्शन
- मेक्सिको में भारी बारिश से 27 की मौत, कई लोग लापता, भूस्खलन और बाढ़ से तबाही
- व्हाइट हाउस की फंडिंग शर्तें एमआईटी को मंजूर नहीं, संस्थान ने किया इनकार
- राजस्थान : मंगत सिंह अलवर से गिरफ्तार, पाकिस्तान से जासूसी का मामला
- पाकिस्तान : खैबर पख्तूनख्वा में पुलिस ट्रेनिंग स्कूल पर आत्मघाती हमला, सभी हमलावर मारे गए
- नानकमत्ता साहिब गुरुद्वारा हत्या केस : बाबा अनूप सिंह को उत्तराखंड हाईकोर्ट से जमानत मिली

सीएम मोहन यादव के संयम और विनम्रता से उत्तम स्वामी की नाराजगी हुई दूर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

सलकनपुर ● मध्यप्रदेश में किसी की क्या बिसात की वो सबके सामने मुख्यमंत्री का डांट सके। बात सिर्फ मध्यप्रदेश की नहीं किसी भी सूबे से सीएम को सबके सामने फटकार लगाने वाला कोई आम व्यक्ति नहीं हो सकता। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव को भरे मंच से एक संत ने फटकार लगाई। सीएम ने चुपचाप वो डांट सुनी और माफी भी मांगी। उन्हें फटकार लगाने वाला ये संत कौन था।

गौरतलब है कि मामला शरद पूर्णिमा के दिन का है। सलकनपुर के उत्तमसेव धाम आश्रम में खास कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल भी मौजूद थे। कार्यक्रम में सीएम मोहन यादव को भी पहुंचना था। लेकिन वो नहीं जा सके। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए उत्तम स्वामी महाराज भी खासतौर से आए थे। सीएम के न आने से वो सबके सामने नाराज हो गए। जब उन्हें ये पता चला कि सीएम को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जोड़ा जाएगा। तब वो और भी ज्यादा गुस्साए और कहा कि मुख्यमंत्री को वर्चुअली जोड़ने की भी क्या जरूरत है। जो हमारे मंच पर नहीं आ सकता उसे ऐसे जोड़ने की भी क्या जरूरत है। सीएम ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़ने के बाद बेहद संयम के साथ और मुस्कुराते हुए बात की। उन्होंने कहा कि संतों का आशीर्वाद समाज के लिए बहुत जरूरी होता है। उन्होंने उत्तम स्वामी महाराज

से माफी भी मांगी और बताया कि वो पहले ही इस बात की जानकारी दे चुके थे कि वो कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सकेंगे। संत की नाराजगी को भी उन्होंने अपने लिए आशीर्वाद बताया। इसके बाद माहौल थोड़ा सजग हुआ। सीएम से गुस्साए उत्तम स्वामी के चेहरे पर भी शांति नजर आई और उनके भाव बदले हुए दिखे। इस पूरे घटनाक्रम से सीएम मोहन यादव के संयम और राजनीतिक मैच्योरिटी का भी उदाहरण लोगों को मिल गया। सीएम ने जिस तरह से पूरी सिचुएशन को हैंडल किया। उससे साफ जाहिर हो गया कि वो इस मामले को आगे नहीं बढ़ने देंगे और सारे विवादों पर विराम लगा देंगे। वही हुआ भी। उनकी नाराजगी झेलने के बाद भी संयम से काम लिया और उनका आशीर्वाद भी लिया।

सीएम ने ऐसे हैंडल किया सिचुएशन

एक सीएम को भरे मंच से इस तरह बोल दिया जाए तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि उस सभा का क्या माहौल होगा। शायद सभी लोग टेंशन में आ गए होंगे। क्योंकि एक तरफ तो सीएम का ये फरमान था कि उन्हें वीडियो कॉनफ्रेंस से जोड़ा जाए दूसरी तरफ एक संत का गुस्सा की उन्हें जोड़ा ही क्यों जाए। जाहिर हर अधिकारी से लेकर कार्यकर्ता तक सकते में आ ही गया होगा। कुछ लोगों को तो शायद ये अंदेशा भी हो कि अब सीएम भी गुस्से से बिफर जाएंगे। या कार्यक्रम में वर्चुअली भी शामिल नहीं होंगे या फिर कम से कम उनके मिजाज में तल्खी जरूर नजर आएगी। लेकिन जिस तरह से मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इस पूरी सिचुएशन को हैंडल किया उसने सभी लोगों को हैरान कर दिया।

ट्रकों की लंबी लाइन, जनता परेशान...

इंदौर। शहर में ट्रकों के प्रवेश को लेकर नई समयसारिणी से नवलखा क्षेत्र में लग रहा है लंबा जाम। कल नवलखा पुल पर 3 से 4 घंटे तक वाहन गुत्थमगुत्था होते रहे।

मेट्रो के ट्रायल के बाद अब सिविल वर्क में तेजी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● हाल ही में मेट्रो कॉर्पोरेशन ने गांधी नगर से मालवीय नगर चौराहा तक सफल ट्रायल रन किया और अब इस 17 किलोमीटर के ट्रैक को व्यवसायिक संचालन के लिए तैयार किया जा रहा है। नवम्बर अंत तक मालवीय नगर चौराहा तक के स्टेशनों को तैयार कर लिया जाएगा, जिनमें कुछ सिविल वर्क के साथ सिलिंग के काम भी अभी चल रहे हैं और उसके पश्चात

सुरक्षा जांच की प्रक्रिया भी सम्पन्न होगी, जिसके लिए मेट्रो रेल सुरक्षा आयुक्त यानी सीएमआरएस की टीम भी इंदौर आएगी, जो संचालन, गति, इमरजेंसी ब्रेक सहित अन्य सुरक्षा मानकों की जांच करेगी और इस जांच के पूरी होने तथा सीएमआरएस की मंजूरी मिलने के बाद ही मेट्रो का व्यवसायिक संचालन गांधी नगर से लेकर मालवीय नगर चौराहा यानी रेडिसन तक शुरू किया जा सकेगा। संभवत-दिसम्बर अंत तक मेट्रो रेल सुरक्षा आयुक्त की टीम जांच के लिए इंदौर पहुंचेगी।

फिर हुई दिग्विजय-सिंघार की कमरा बंद मुलाकात

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्यप्रदेश की सियासत में एक बार फिर बड़ा मोड़ देखने को मिला, जब पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के बंगले पर पहुंचे। जबकि सिंघार को दिग्विजय सिंह का धुर विरोधी माना जाता रहा है। वहीं इस मुलाकात की चर्चा सूबे के राजनीतिक गलियारों में तेज हो गई, तो आगामी वक्त में इसके परिणाम भी सामने आने की बात कही जा रही है।

सिंघार ने किया था स्मार्ट मीटर पर खुलासा-पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने नित-नए खुलासे करने के लिए विख्यात माना जाता है, इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर चुके दिग्विजय ने एक समय में ईवीएम को हैक करने का दावा करते हुए, उसका डेमो पेश किया था। कुछ इसी तरह की राह पर फिलहाल नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार चलते नजर आ रहे है। उन्होंने स्मार्ट मीटर के मामले में पिछले दिनों खुलासा किया था, और इसे देश की सुरक्षा में बड़ी सेंध बताया था। ऐसे में दिग्विजय और सिंघार की मुलाकात को जानकार एक अलग चश्में से भी देख रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के अचानक उमंग सिंघार के बंगले पर पहुंचने पर नेता प्रतिपक्ष ने उनका स्वागत किया । जहां दोनों नेताओं के बीच बंद कमरे में बातचीत हुई। इस बातचीत के बारे में दोनों की नेताओं ने चुप्पी साधे रखी, और इसे औपचारिक करार दिया। परंतु विपक्ष की आगामी रणनीति में इस मुलाकात की झलक साफ तौर पर दिखाई दे सकती है। गौरतलब है कि उमंग सिंघार, पूर्व सीएम दिग्विजय के धुर विरोधी माने जाते हैं। कमलनाथ सरकार के समय दिग्विजय सिंह पर उमंग सिंघार गंभीर आरोप लगा चुके हैं। सिंघार यह कह चुके है कि दिग्विजय उन्हें राजनीति नहीं करने दे रहे है। कमलनाथ सरकार में वन मंत्री रहे सिंघार, दिग्विजय से इतना प्रताड़ित हुए थे कि उन्होंने मोर्चा खोल दिया था।

रोशनी के त्योहार के बीच बिजली की आंख मिचोली रहेगी जारी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● लगातार बारिश से शहर में बिजली खंभों, ट्रांसफार्मरों के आसपास पेड़ों की डालियां, लताएं काफी बढ़ गई हैं, जिससे फाल्ट का खतरा बन रहा है। बिजली कंपनी ने दीपावली से पहले मेंटेनेंस शुरू कर दिया है, इसलिए शहर के कई क्षेत्रों में सुबह-सुबह दो से तीन घटे शटडाउन रहेगा, यानी बत्ती गुल रहेगी ।दीपावली से पहले साफ-सफाई और व्यवस्थाओं में लोग लगे हुए हैं। सुबह-सुबह अचानक बिजली बंद हो जाने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बिजली कंपनी के अधीक्षण यंत्री डीके गाठे ने बताया कि बारिश के दौरान व इसके बाद पेड़ की शाखाएं, पत्ते बिजली तारों के आसपास काफी बड़े हो रहे हैं। इसके कारण फॉल्ट जैसी घटनाएं हो सकती हैं, इसलिए आफ्टर मानसून मेंटेनेंस शुरू कर दिया है। उपभोक्ताओं को कुछ समय अंधेरे का सामना करना पड़ेगा, लेकिन दीपोत्सव से पहले शहर का बिजली मेंटेनेंस पूरा कर लिया जाएगा। इंदौर शहर में पांचों डिवीजनों में 4 से 6 फीडर पर बिजली व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए मेंटेनेंस एक सप्ताह पहले शुरू किया गया था, जो एक सप्ताह और चलेगा। इसके बाद शेष कार्य दीपोत्सव के बाद किया जाएगा।

सरकार की नल जल योजना चढ़ी भ्रष्टाचार की भेंट

जलोदियापार के ग्रामवासियों को तीन माह से नहीं मिला पानी

निलेश चौहान
(94250-77209)
दैनिक इंदौर संकेत

देपालपुर ● मध्यप्रदेश सरकार ने नल जल योजना के तहत घर-घर पानी की व्यवस्था की थी किसी को भी पानी के लिए नहीं तरसना पड़े, इसलिए इस योजना को घर-घर पहुंचा था। ठेकेदार ने अपना काम पूरा कर पानी वितरण के लिए ग्राम पंचायत जलोदियापार को हेंड ओवर कर दिया था, लेकिन ग्राम पंचायत के सचिव की लापरवाही ग्रामवासियों को भुगतना पड़ रही है गांव में पिछले कई महीनों से पानी नहीं आया सचिव को बार-बार अवगत कराने के बाद भी केवल दिलासे मिलते रहे ग्रामीण जनों ने बताया कि सचिव ने मोटर जलने की

बात कही थी और कहा था कि मोटर सुधरने के बाद तीन-चार दिन में पानी आ जाएगा लेकिन जानकारी में पता चला है कि जब भी ग्रामीण जन शिकायत करते हैं तो सचिव हमेशा मोटर खराब होने की बात करते हैं, आज 3 महीने बीत जाने के बाद भी अब तक मोटर को नहीं सुधारा गया। ग्रामीणजनों ने इस मामले की शिकायत सीएम हेल्पलाइन पर भी की है, लेकिन अब तक कोई उचित समाधान नहीं निकला। ग्रामीणजनों का कहना है कि 2 दिन में मोटर चालू नहीं हुई तो हम इस मामले की शिकायत एसडीम राकेश त्रिपाठी के समक्ष करेंगे और एसडीएम कार्यालय के बाहर धरना देंगे।

इस मामले सचिव सुरेश भादविया से चर्चा की गई तो उन्होंने हमेशा एक जवाब दिया बस दो दिन में मोटर चालू हो जाएगी। मोटर खराब है हम उसको सुधरवा रहे हैं, ऐसा ही जवाब सचिव सुरेश ने ग्रामीणजनों को पिछले तीन महीनो से दे रहे हैं। अब देखना होगा कि 2 दिन में ग्रामवासियों को पानी मिलेगा या फिर ग्रामवासी एसडीएम कार्यालय के बाहर धरना देंगे?

न्यूज इन ब्रीफ

मासिक सैनिक सम्मेलन 15 अक्टूबर को

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर जिले एवं आस-पास के क्षेत्रों में निवासित सभी पूर्व सैनिकों, वीरनारियों, विधवाओं एवं आश्रितों हेतु प्रतिमाह आयोजित होने वाले मासिक सैनिक सम्मेलन 15 अक्टूबर को सुबह 11.30 बजे से जिला सैनिक कल्याण कार्यालय जयरामपुर कालोनी इंदौर के सभागार में किया जाएगा। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कमांडर नगेश चंद्र मालवीय (सेवानिवृत) सम्मेलन को संबोधित करेंगे। सम्मेलन के दौरान पूर्व सैनिकों, सैनिक विधवाओं, आश्रितों एवं वीर नारियों की समस्याओं का निदान किया जायेगा एवं शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी।

शासकीय मेले व प्रदर्शनी में दिव्यांगजन के लिए नि:शुल्क स्टॉल का होगा आवंटन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर जिले में अब दिव्यांगजन को शासकीय व अर्द्ध शासकीय मेलों व प्रदर्शनियों तथा जनहित में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में निशुल्क स्टॉल आवंटन किया जाएगा। इस सम्बंध में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के संयुक्त संचालक ने आयुक्त नगर निगम, जिला पंचायत सीईओ, जिला शिक्षा अधिकारी सहित यशवंत क्लब, अभय प्रशाल व बास्केटबॉल एसोसिएशन के अलावा सभी शासकीय विभागों को पत्र के माध्यम से अवगत कराया है। संयुक्त संचालक द्वारा वर्ष 2023 में कलेक्टर इंदौर के उस आदेश का उल्लेख किया है, जिसमें शासकीय व अर्द्ध शासकीय संस्थाओं की रिक्त भूमि, भवन सभागृह आदि समय-समय पर अस्थायी रूप से आयोजित मेले व प्रदर्शनियों में दिव्यांग कलाकारों व्यवसायियों एवं उद्यमियों को हुनर और व्यवसाय बढ़ाने के लिए स्टॉल निशुल्क प्रदाय करने के आदेश है।

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● सुप्रिम कोर्ट के एडवोकेट तनुज दीक्षित एवं पत्नी श्रीमती डॉ. चेतना दीक्षित डेंटल सर्जन ने करवाचौथ मनाया।

सैमसंग ने दिवाली पर पेश किए खास ऑफर्स

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने दिवाली के मौके पर बीस्पोक एआई डिजिटल एप्लायंसेज और विजन एआई टीवी पर आकर्षक ऑफर्स की घोषणा की है। ये ऑफर्स 31 अक्टूबर 2025 तक मान्य हैं और उपभोक्ताओं को इस दिवाली स्मार्ट, एनर्जी-एफिशिएंट और शानदार टेक्नोलॉजी अपनाने का अवसर देते हैं। पूरे देश में परिवारों के त्योहार मनाने के दौरान, सैमसंग अपने एआई-पावर्ड स्मार्ट उपकरण और टीवी को हर घर तक आसानी से पहुँचाने का मौका दे रहा है। इस फेस्टिव अभियान के जरिए सैमसंग ने हर घर में एआई से चलने वाले उपकरण, शानदार मनोरंजन और बिजली की बचत करने वाली कूलिंग लाकर इंटेलिजेंट लिविंग की अपनी प्रतिबद्धता को दिखाया है।

वाहनों पर हूटर और सायरन हटाने के मामले में हाईकोर्ट ने पुलिस विभाग से मांगा स्पष्टीकरण

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● हाईकोर्ट इंदौर द्वारा वाहनों से सात दिन में वाहनों से हूटर और सायरन हटाने, अपात्र फ्लैश लाइट, नंबर वाहन भी हटाने के आदेश दिए थे। लेकिन इसके बाद भी ट्रैफिक पुलिस वीवीआईपी वाहनों पर हाथ डालने से कतरा रही है। इस मामले में लगी पीआईएएल पर फिर गुरुवार को सुनवाई हुई।

पूर्व पार्षद महेश गर्ग द्वारा दायर जनहित याचिका में अधिवक्ता मनीष यादव और करण बैरागी द्वारा तर्क रखे गए। इन्होंने तर्क रखे कि सरकार ने केवल चुनिंदा लोगों की सूची कोर्ट में पेश की हे और केवल आरटीओ ने जवाब पेश किया। माननीय न्यायालय के आदेश का पालन नहीं किया गया हमारे द्वारा अवमानना का नोटिस भी भेजा गया है। इस पर चीप जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ की बेंच ने एमपी डीजीपी से 4 सप्ताह में शपथपत्र पर स्पष्टीकरण के साथ जवाब मांगा। अगली सुनवाई दिसंबर प्रथम सप्ताह मे होगी।

हाईकोर्ट का आदेश- इंदौर हाईकोर्ट ने सभी निजी और अपात्र वाहनों से हूटर, सायरन, फ्लैशलाइट हटाने और नंबर प्लेट सही करने के लिए 7 दिन में आदेश दिया था। आदेश का पालन नहीं होने पर जनहित याचिका दायर की गई।

वीवीआईपी वाहनों पर कार्रवाई में देरी- ट्रैफिक पुलिस अभी भी वीवीआईपी और कुछ निजी वाहनों पर कार्रवाई करने में हिचकिचा रही है। इस वजह से कोर्ट ने मामले में सुनवाई की।

डीजीपी से स्पष्टीकरण- चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ की बेंच ने डीजीपी कैलाश मकवाना से 4 सप्ताह में शपथपत्र पर स्पष्टीकरण देने को कहा। अगली सुनवाई दिसंबर के प्रथम सप्ताह में होगी।

सरकार ने जारी किया था सर्कुलर- मार्च 2025 में सरकार ने सभी पुलिस अधीक्षक और आरटीओ को आदेश दिया था कि अवैध हूटर, सायरन, फ्लैशलाइट और गलत नंबर प्लेट वाले वाहन पर कार्रवाई करें। कार्रवाई न होने पर पूर्व पार्षद महेश गर्ग ने याचिका दायर की, जिसमें वाहनों की फोटो और अन्य सबूत पेश किए गए।

अधिवक्ता मनीष यादव और करण बैरागी ने बहस के दौरान बताया कि किस तरह अपात्र और निजी वाहनों पर हूटर सायरन लगा कर ट्रैफिक बाधित किया जाता है और नो पार्किंग में वाहन लगा के दबाव बनाया जाता है। इन तर्कों से सहमत होकर कोर्ट ने तत्काल प्रभाव से अंतरिम आदेश पारित करते हुए 7 दिन में सभी निजी और अपात्र वाहनों से हूटर, सायरन, फ्लैशलाइट हटाने और नंबर प्लेट सही करने हेतु आदेशित किया था।

यह हुए थे हाईकोर्ट से आदेश

मध्यप्रदेश सरकार ने मार्च 2025 में सर्कुलर जारी करते हुए सभी पुलिस अधीक्षक और आरटीओ को आदेशित किया था कि जो भी निजी और अपात्र वाहन अवैध रूप से हूटर, सायरन, फ्लैशलाइट लगा रहे और गलत तरह से नंबर प्लेट लगा रहे उन पर कार्रवाई की जाए। इस पर कोई कार्रवाई नहीं होने पर जनहित याचिका दायर हुई और इसमें इस तरह के वाहनों की फोटो भी पेश की गई।

बेटे को गोद में लेकर मां ने डाला एसिड, मौत

पति पर प्रताड़ित करने का आरोप, ढाई घंटे तक तड़पी महिला

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के राऊ इलाके में एक महिला ने अपने 5 महीने के बेटे को गोद में लेकर खुद पर एसिड छिड़क लिया और फिर आग लगा ली। इस घटना में दोनों की मौत हो गई।

ये घटना गुरुवार शाम की है। दोनों को इलाज के लिए चोइथराम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां गुरुवार रात में बेटे की मौत हो गई, जबकि शुक्रवार दोपहर महिला ने भी दम तोड़ दिया। दोनों के शव पोस्टमॉर्टम जिला अस्पताल में कराया गया है। इसके बाद दोनों का अंतिम संस्कार भी कर दिया गया।

राऊ पुलिस के मुताबिक, घटना न्यू ब्रज विहार कॉलोनी की है। यहां रहने वाली सुमन (25) ने अपने 5 महीने के बेटे प्रथम को गोद में बैठाकर दोनों के ऊपर एसिड डाल लिया। इससे बच्चे की थोड़ी ही देर में मौत हो गई, जबकि सुमन 2 घंटे से ज्यादा समय तक तड़पती रही। उसे निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। रिश्तेदारों का आरोप है कि पति कैलाश के अन्य युवतियों से संबंध थे। इसी को लेकर उसकी सुमन से

अनबन होती रहती थी और वह पत्नी से दूरी बनाकर रखता था। मृतका सुमन मूल रूप से भोपाल की रहने वाली थी। विवाद के बाद भोपाल से उसका भाई जीजा को समझाने इंदौर भी आया था। उसे हाई शुगर थी। इसके बाद भी उसका पति ध्यान नहीं देता था और झगड़ा करता था। आरोप है कि पति उसे काफी प्रताड़ित करता था। सुमन का पति कैलाश एक कारखाने में सिलाई का काम करता है। मृतका और उसका परिवार मूल रूप से भोपाल का रहने वाला है। दोनों की शादी साल 2022 में हुई थी। कल सूचना मिली कि चोइथराम अस्पताल में जली हुई अवस्था में दो बॉडी पहुंची हैं। इस संबंध में थाने में मर्ग कायम किया गया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अस्पताल में महिला की मौत पर पैसे की डील का आरोप, धमकी भी दी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● भोपाल के आजाद नगर थाना क्षेत्र में स्थित श्री बालाजी मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल में एक महिला की मौत के बाद मामला तूल पकड़ गया है। मृतका के परिजनों ने अस्पताल पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया।

वहीं, प्रदर्शनकारियों और समाज के नाम पर पैसे वसूले जाने के आरोप ने विवाद और बढ़ा दिया है। क्या है मामला? मृतका के पति ऋतिक ने बताया कि उनकी पत्नी की तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया। रात दो बजे मेडिकल सामान लाने को कहा गया, लेकिन जब नाली लगाने की बात आई तो अस्पताल ने मना कर दिया। इसके बावजूद सुबह तक पत्नी की हालत बिगड़ गई और वेंटिलेटर पर रखने से पहले उसकी मौत हो गई। ऋतिक ने इस पर अखिल भारतीय बलाई महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज परमार को फोन किया। परमार के कहने पर कार्यकर्ता लखन देपाले अस्पताल पहुंचे और प्रदर्शन शुरू कराया। इसके बाद लखन ने ऋतिक को 30 हजार रुपए बलाई समाज की मदद राशि के नाम पर दिए, जिससे परिवार को संदेह हुआ कि यह पैसा अस्पताल से लिया गया।

वसूली और धमकी का आरोप ऋतिक का कहना है कि लखन ने उन्हें धमकियां और गालियां दीं और पैसे लौटाने की चेतावनी दी। दूसरी ओर लखन ने पुलिस में आवेदन देकर दावा किया कि उन्होंने ऋतिक को उधार पैसा दिया था, जो अब लौटाया नहीं गया।

अस्पताल और मंत्री के करीबी का नाम अस्पताल प्रबंधन ने ऋतिक पर वसूली का आरोप लगाते हुए थाने में आवेदन दिया है। मामला और गंभीर इसलिए बन गया क्योंकि हाल ही में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने मनोज परमार को महामंडलेश्वर की उपाधि दी थी, और अब उनके करीबी पर वसूली के आरोप लग रहे हैं।

मनोज परमार का बयान अस्पताल में महिला की मौत पर पैसे की डील का आरोप, धमकी भी दी.. फंस गए मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के करीबी! मनोज परमार ने कहा कि वह चित्रकूट गए हुए थे, उन्हें घटना की जानकारी नहीं थी। उन्होंने कहा कि अस्पतालों के बाहर समाज के नाम पर वसूली का खेल नया नहीं है, लेकिन इस बार मौत को मुद्दा बनाकर पैसे की डील सामने आ रही है। इस मामले में सवाल यह उठ रहा है कि महिला की मौत पर इंसाफ हुआ या शोक को भी कमाई का जरिया बनाया गया।

क्यूआर कोड ने कातिल को पहुंचाया सलाखों के पीछे... सड़क पर मामूली टक्कर पर युवक की चाकू मारकर हत्या

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के स्कीम-54 क्षेत्र में बुधवार रात पार्थ दीवान की सरेराह हत्या ने सनसनी फैला दी। नशे में टकराने से हुए विवाद ने खौफनाक रूप ले लिया जब चार युवकों ने पार्थ पर चाकू से हमला कर दिया। आरोपी लवीश वाड़े को पुलिस ने उसके त्तक्रष्टश्स्त्रद्द और CCTV फुटेज की मदद से गिरफ्तार किया।

इंदौर के स्कीम-54 में हुई सुंदरनगर निवासी पार्थ दीवान की हत्या का खुलासा हो गया। पुलिस ने बाणगंगा के बदमाश लवीश वाड़े को पकड़ा है लवीश और उसके साथी निकुंज गुप्ता, निक्कू काटे और सोभित ठाकुर ने पार्थ की हत्या की थी आरोपित जन्मदिन मनाकर शराब पीने आए थे टकराने पर विवाद हो गया और आरोपितों ने पार्थ की चाकू घोंपकर निर्ममता से हत्या कर दी नशे में टकराने पर हुई कहासुनी विजयनगर पुलिस के मुताबिक 19 वर्षीय पार्थ पुत्र भानुप्रताप दीवान दोस्त आयुष और संजय निवासी मेघदूत नगर के साथ शराब पी रहा था आरोपित लवीश वाड़े,निकुंज गुप्ता निक्कू काटे और सोभित ठाकुर भी शराब पीने आए थे। बुधवार को लवीश का जन्मदिन था वह सीसीटीवी कैमरे लगाने का काम करता है नशे में टकराने पर पार्थ की आरोपितों से कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ गया और आरोपितों ने पार्थ को घेर कर मारना शुरु कर दिया। वह बचने के लिए भागा लेकिन आरोपितों ने उसका पीछा किया दनादन चाकूओं से गोंदना शुरु कर दिया। उसके पीठ और सीने पर कई बार चाकू मारे। आरोपितों के भागने पर लोगों ने पार्थ को अस्पताल भिजवाया लेकिन उसकी मौत हो गई। लोगों ने बताया विवाद की शुरुआत स्कीम-54 स्थित शराब दुकान के समीप हुई है। दोनों पक्ष आहते में बैठ कर शराब पी रहे थे ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज से हुई पहचान पुलिस ने शराब दुकान के कर्मचारियों को सीसीटीवी फुटेज दिखाए तो एक आरोपित की पहचान कर ली। कर्मचारियों ने बताया उसने शराब का आनलाइन भुगतान किया था। पुलिस ने क्यूआर कोड की जानकारी निकाली तो लवीश वाडे का मोबाइल नंबर मिल गया। उसकी इंस्टाग्राम आइडी से फोटो निकाली और देर रात कालिंदी गोल्ड सिटी भांगिया से पकड़ लिया लवीश शराब के नशे में था उसने खून से सने कपड़े बदल लिए और बगैर बताए चुपचाप सो गया सीसीटीवी फुटेज में सीने-पीठ पर चाकू घोंपते दिखा बदमाश पार्थ की हत्या का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है उस पर सभी आरोपित मिलकर हमला कर रहे है। निकुंज ने चाकू निकाल कर पीठ और सीने में गोंदा था। निकुंज हत्या का आरोपित रहा है। वह करोल बाग के समीप शंखेश्वर कालोनी में रहता है। हत्या में एक नाम सोभित ठाकुर का भी आया है। सोभित भी हत्या का आरोपित रह चुका है। इस घटना ने पुलिस की मुस्तेदी की पोल खोल दी है। अवैध तरिके से आहता चलाया जा रहा था और आबकारी व पुलिसकर्मी आंखें मुंद कर देख रहे थे।

गांधी हॉल में 11 और 12 अक्टूबर को अयोध्या महोत्सव फाउंडेशन द्वारा आयोजित अयोध्या

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● महोत्सव 2025 में राम राज्य की झलक दिखाई जाएगी। महोत्सव का शुभारंभ शुक्रवार को मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने किया। इस दौरान मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि यह अद्भुत धनुष श्रद्धा और साधना का ऐसा प्रतीक है,

जिसमें 1,008 रामनाम पुस्तकों का समन्वय किया गया है। प्रत्येक पुस्तक में 1008 बार प्रभु श्रीराम नाम अंकित है। यह अनन्य भक्ति, अखंड जप और निरंतर आराधना का संगम है। यह महोत्सव हमारी सनातन संस्कृति के आदर्शों, भक्ति, मर्यादा और एकता का सजीव संदेश है। अयोध्या महोत्सव 2025 का मुख्य आकर्षण दुनिया का सबसे ऊंचा 51 फीट का धनुष है। जिसका वजन 1.5 टन है और इसमें 1,088 राम नाम पुस्तकों का समावेश किया गया है। हर पुस्तक में 1008 बार राम नाम लिखा गया है, जिसे भक्तों में वितरित किया जाएगा।

राधेश्याम पटेल कलोता समाज के निर्विरोध राष्ट्रीय अध्यक्ष बने

बड़ी संख्या में कलोता समाज के समाजजन रहे उपस्थित

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

देपालपुर ● अखिल भारतीय क्षत्रिय कलौता समाज की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की निर्वाचन बैठक लक्ष्मीनारायण बंडावाला की अध्यक्षता में राजशाही रिसोर्ट भिचोली मर्दाना इंदौर पर रखी गई इसमें निर्वाचन अधिकारी अधिवक्ता ज्ञान सिंह दरबार देवास को नियुक्त किया गया और उनके द्वारा निर्वाचन की प्रक्रिया संपन्न करवाई गई,जिसमें राधेश्याम पटेल को क्षत्रिय कलौता समाज का निर्विरोध राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया इस बैठक में क्षत्रिय कलौता समाज के 12 ट्रस्टों के ट्रस्टीगण एवं समाज के हजारों की संख्या में वरिष्ठ गणमान्यजन, युवा शामिल हुवे।

राधेश्याम पटेल के निर्विरोध निर्वाचित अध्यक्ष बनने से समाज में खुशी की लहर है। इतना ही नहीं पटेल परिवार को समाज की सेवा करने का दूसरी बार अवसर मिला है इससे पहले पूर्व मंत्री रामेश्वर पटेल को कलोता समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में समाज

सेवा करने का अवसर मिला था बाबूजी के नेतृत्व में समाज को नई दिशा मिली थीं हमेशा बाबूजी कलोता समाज के लिए तैयार रहते थे कभी उन्होंने किसी को निराश नहीं किया आज उन्ही के नक्शे कदम पर चल रहे उनके बेटे राधेश्याम पटेल को कलोता समाज में बड़ी जिम्मेदारी दी और कहां की आपके नेतृत्व में समाज को युवाओं को एक ऊर्जा मिलेगी समाज के लिए नया आयाम स्थापित होंगे पटेल परिवार की पृष्ठभूमि राजनीतिक परिवार से जुड़ी है हमेशा सेवा का भाव रहा है समाज सेवा में भी पटेल परिवार पीछे नहीं रहा है बताया जाता है इनके पास से आज तक कोई खाली हाथ नहीं लोटा। राधेश्याम पटेल ने बताया कि समाज में जो जिम्मेदारी है मुझे दी है मै हर कीमत पर समाज के साथ खड़ा रहूंगा तन मन धन से वैसे भी बाबूजी भी कभी समाज सेवा में पीछे नहीं हटे सत्यनारायण पटेल भी किसी न किसी माध्यम से समाज के लिए हमेशा खड़े रहते हैं मैं भी समाज को विश्वास दिलाता हूं कि किसी को भी अगर मेरी जरूरत पड़े तो वह कभी भी मुझे फोन लगा सकता है हमेशा आपकी मदद के लिए तैयार रहूंगा। इस अवसर पर छतरसिंह केलवा,पदम सिंह पटेल, सीताराम पटेल , हुकमसिंह सांखला, रतन सिंह सांखला, रामनिवास पंवार, कैलाश चौहान, ऋषि वर्मा, जगदीश गहलोत, मनोहर पंवार, योगेंद्र गहलोत, कृपाराम नेताजी, जीवन गहलोत, नरेंद्र केलवा, तखतसिंह पटेल, कृष्णा पटेल , अंतरसिंह गौड़, कैलाश पटेल , लोकेंद्र बारूड, केदार चौहान, राहुल पंवार, युवा संगठन से मोहन पटेल, राम मकवाना , भारत तंवर , प्रवीण चंदेल , जितेंद्र पटेल , गौरव पटेल, चंदन सिंह बड़वाया, कमल जाधव, प्रहलाद पटेल, सोहन पटवारी,पदम पटेल, अखिलेश प्रवीण ठाकुर आदि समाज जन उपस्थित थे।

जत्रा की धमाकेदार शुरुआत पहले दिन ही उमड़ा जनसैलाब

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मराठी सोशल ग्रुप द्वारा इंदौर के पोत्दार प्लॉजा में आयोजित जत्रा के पहले दिन ही स्वाद और संस्कृति प्रेमियों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। हालांकि, जत्रा का समय दोपहर 2 से रात्रि 11 का था, पर दोपहर 12 बजे से ही लोगों का आना शुरू हो गया था। रजत जयंती वर्ष होने जत्रा 4 दिनों का रहेगा। इसका औपचारिक शुभारंभ सांसद शंकर लालवानी, संभागयुक्त सुदाम खाड़े, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलगुरु मिलिंद दांडेकर,मिलिंद महाजन, मराठी साहित्य अकादमी के निदेशक संतोष गौडबोले, जोन तीन के अध्यक्ष गजानन गावडे, पार्षद सुरेश टाकळकर सहित अन्य अतिथियों ने किया। संस्था के सुधीर दांडेकर और राजेश शाह ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी खूब अच्छा इंदौरियों ने प्रतिसाद मिल रहा है। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी पूर्णत: झिरो वेस्ट रहेगा। खाने की प्लेट्स, चम्मच, ग्लास सभी कुछ 100% बेडिग्रेडेबल मटेरियल से निर्मित कंस्यूमेबल्स का उपयोग किया जा रहा है। जत्रा में गिला कचरा और सूखा कचरा कलेक्शन पॉइंट पर ही सेग्रिगेट किया जाता है। करीब 15 से अधिक कचरा कलेक्शन पॉइंट्स बनाये गए है। गीले कचरे को हाथों हाथ खाद में परिवर्तित कर निगम को दिया जाता है। इतने वृहद सामाजिक आयोजन में जहा एक ही समय मे हजारों लोग एक साथ खाने का लुत्फ उठाते है उसके बावजूद परिसर में सफाई व्यवस्था एकदम चाक चौबंद रही।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

इंदौर, शनिवार 11 अक्टूबर 2025

दिवाली से पहले 2 करोड़ किसानों के लिए बड़ा तोहफा, 11 अक्टूबर को पीएम करेंगे दलहन आत्मनिर्भरता मिशन का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी) • दिवाली से पहले 2 करोड़ किसानों के लिए बड़ा तोहफा, 11 अक्टूबर को पीएम मोदी करेंगे दलहन आत्मनिर्भरता मिशन का ऐलान - दलहन किसानों के लिए बड़ी खुशखबरी है। दिवाली से ठीक पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 अक्टूबर को दिल्ली स्थित पूसा संस्थान के परिसर में 'दलहन आत्मनिर्भरता मिशन 2025-26 से 2030-31' की शुरुआत करेंगे। इसका मकसद देश को दालों के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है। इस मिशन की शुरुआत से पहले केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसके बारे में पूरी जानकारी देंगे।

इस योजना के तहत तुअर, उड़द और मसूर जैसी मुख्य दालों का उत्पादन बढ़ाया जाएगा, ताकि किसानों को उनकी उपज का सही दाम मिल सके। अगले चार सालों तक किसानों की पूरी 100% फसल को न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी रूस्क्क पर खरीदा जाएगा। इसके लिए सरकार ने 11,440 करोड़ रुपये का बजट तय किया है। साथ ही 47 हजार करोड़ रुपये के दाल का आयात किया जाएगा, जिससे देश की बढ़ती मांग को पूरा किया जा सके और किसानों को बेहतर दाम मिल सके।

2 करोड़ किसानों को मिलेगा सीधा लाभ

करीब 2 करोड़ किसानों को इस योजना का सीधा फायदा मिलने वाला है। सरकार 88 लाख किसानों को फ्री में उन्नत बीज किट देगी। साथ ही, फसल कटने के बाद दालों की प्रोसेसिंग के लिए 1000 नई यूनिट्स शुरू की जाएंगी, ताकि फसल की बर्बादी रुके और किसानों को ज्यादा कमाई हो सके। सरकार चाहती है कि इस मिशन के जरिए देश के 416 जिलों में दालों की खेती को बढ़ावा दिया जाए। इसके लिए 2030-31 तक 370 लाख हेक्टेयर जमीन पर दालें बोई

जाएंगी। किसानों को 126 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज भी बांटे जाएंगे, जिससे उत्पादन में भी इजाफा हो।

MSP पर 100% खरीद और ग्लोबल मॉनिटरिंग व्यवस्था

इस मिशन की खास बात ये है कि किसानों से रूस्क्क पर 100% खरीद होगी। हालांकि, इसके लिए किसानों को ह्रस्रश्वष्ठ और ह्रष्टष्टस्न जैसी सरकारी एजेंसियों में रजिस्ट्रेशन कराना जरूरी होगा। अगले चार साल तक ये एजेंसियां सीधे किसानों से दालें खरीदेंगी। इसी के साथ, दालों की ग्लोबल कीमतों पर नजर रखने के लिए एक मॉनिटरिंग सिस्टम भी तैयार किया जाएगा, जिससे देश के बाजारों में दाम स्थिर रहें।

पर्यावरण और किसानों दोनों को होगा लाभ

ये मिशन सिर्फ किसानों की कमाई और दालों के उत्पादन तक सीमित नहीं है। पर्यावरण के नजरिए से भी ये बेहद फायदेमंद है। दालों की फसलें मिट्टी की उपजाऊ शक्ति बढ़ाती हैं, जिससे रासायनिक खाद की जरूरत कम पड़ती है। इसके अलावा, ये योजना जलवायु परिवर्तन के लिहाज से भी मुफीद है, क्योंकि इससे बंजर जमीन का बेहतर इस्तेमाल और टिकाऊ खेती को बढ़ावा मिलेगा।

न्यूज इन ब्रीफ

अग्रवाल समाज महिला महासभा ने महाडांडिया रास के साथ मनाया करवा चौथ का उत्सव

इंदौर • अग्रवाल समाज महिला महासभा के तत्वावधान में एयरपोर्ट रोड स्थित बाबाश्री रिसोर्ट पर करवा चौथ सेलिब्रेशन का आयोजन महाडांडिया रास एवं अन्य रंगारंग स्पर्धाओं के बीच वरिष्ठ समाजसेवी विनोद-नीना अग्रवाल एवं संस्था के प्रमुख संयोजक श्रीमती सीता-जगदीश बाबाश्री के मुख्य आतिथ्य में किया गया। मालवी भाभी के नाम से प्रख्यात श्रीमती प्रतीक्षा नैय्यर भी इस उत्सव में विशेष रूप से शामिल हुई। महासभा की संस्थापक श्रीमती राधा-राजेन्द्र अग्रवाल ने बताया कि इस अवसर पर पार्षद श्रीमती बरखा मालू, प्रतिभा मित्तल, समाजसेवी नारायण अग्रवाल 420 पापड़वाले, रितु -राजेश अग्रवाल, पुष्पा गुप्ता, पिंकी अग्रवाल, नेहा गोयल, अंजलि अग्रवाल एवं प्रज्ञा अग्रवाल के आतिथ्य में करवा चौथ की थाली सजाने, लेडिज चेयर रेस, कपल सोलह श्रृंगार, महा डांडिया रास, कपास की ज्वेलरी बनाने एवं तम्बोला सहित विभिन्न मनोरंजक गेम्स भी खेले गए, जिनमें युवतियों और महिलाओं ने उत्साह के साथ भाग लिया।

जैन समाज के सैकड़ों बच्चे कल तिलक नगर से पीपली बाजार तक संतों की निश्रा में करेंगे पदयात्रा

इंदौर • शहर में जैन समाज के इतिहास में पहली बार तिलक नगर स्थित श्वेताम्बर जैन मंदिर से पीपली बाजार स्थित आदेश्वर जैन मंदिर तक बाल पद यात्रा का दिव्य आयोजन रविवार, 12 अक्टूबर को सुबह 5 बजे से प्रारंभ होगा। चातुर्मास के लिए तिलकेश्वर तीर्थ पर विराजित आचार्य प.पू. नयचंद्र सागर म.सा. एवं पीपली बाजार जैन मंदिर में सूरी मंत्र साधना कर रहे जैनाचार्य प.पू. विश्वरत्न सागर म.सा. की निश्रा में तिलक नगर से करीब 600 व्यक्ति और सैकड़ों बालक इस पदयात्रा में शामिल होकर मार्ग में पांच जिनालयों के दर्शन-वंदन भी करेंगे। यात्रा तिलक नगर जैन मंदिर से प्रारंभ होकर मेनरोड, पत्रकार चौराहा, पलासिया चौराहा, रीगल तिराहा, शास्त्री ब्रिज, जिला न्यायालय, एमजी रोड, कोठारी मार्केट, मृगनयनी चौराहा, कृष्णपुरा ब्रिज से राजबाड़ा महालक्ष्मी मंदिर, गुरुद्वारा चौराहा, जवाहर मार्ग से पीपली बाजार पहुंचेगी। पीपली बाजार में जैन मंदिर में दर्शन के पश्चात यह यात्रा खजूरी बाजार होते हुए महावीर भवन इमली बाजार पहुंचेगी, जहां सुबह 9 बजे यात्रा के समापन अवसर पर यात्रा के बाल संघपतियों का सम्मान होगा।

भाजपा कार्यालय पर आज विशेष व्याख्यान

इंदौर • लोक नायक जयप्रकाश नारायण एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता नानाजी देशमुख की जयंती के अवसर पर शनिवार, 11 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे जावरा कम्पाउंड स्थित भाजपा कार्यालय पर लोकतंत्र सेनानी एवं प्रहरी संघ के तत्वावधान में व्याख्यान का आयोजन रखा गया है। संघ के अध्यक्ष गिरीश शर्मा आदित्य, प्रदेश उपाध्यक्ष गणेश अग्रवाल एवं लोकतंत्र प्रहरी संघ के संभागीय संयोजक विपिन शेखावत ने बताया कि इस अवसर पर सांसद शंकर लालवानी के मुख्य आतिथ्य एवं भाजपा के नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा की अध्यक्षता में भाजपा के वरिष्ठ नेता बाबू सिंह रघुवंशी मुख्य वक्ता के रूप में शामिल होंगे। संघ के सभी सदस्यों को इस आयोजन का खुला न्यौता दिया गया ह।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा अरविंद बागड़ी को नीमच जिला कांग्रेस का प्रभार

इंदौर • प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रदेश कांग्रेस के पूर्व महामंत्री, शहर कांग्रेस के कार्यवाह अध्यक्ष एवं पूर्व पार्षद अरविंद बागड़ी को नीमच जिला कांग्रेस के लिए प्रभारी नियुक्त किया है। बागड़ी को नीमच जिले में कांग्रेस संगठन को मजबूत करने, सदस्यता अभियान की समीक्षा करने और जिले में गांव स्तर से लेकर ब्लाक और जिला स्तर तक कांग्रेस संगठन के साथ ही सभी क्षेत्रों की मतदाता सूची की गड़बड़ियों को सुधारने सहित विभिन्न अभियान चलाने जैसे महत्वपूर्ण दायित्व सौंपे गए हैं। बागड़ी जल्द ही नीमच पहुंचकर पूरे जिले के दौरे का कार्यक्रम बनाएंगे।

लायंस क्लब ऑफ इंदौर जुनून की शपथ विधि आज साऊथ तुकोगंज स्थित होटल साऊथ एवेन्यू पर

इंदौर • लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रीक्ट 3233 जी-1 रीजन-3 के तहत लायंस क्लब ऑफ इंदौर जुनून का संस्थापन समारोह शनिवार, 11 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे साऊथ तुकोगंज स्थित होटल साउथ एवेन्यु पर आयोजित किया गया है। रीजल-3 की चेयर पर्सन एवं चार्टर अध्यक्ष ला. मंजू मंडलोई एवं अध्यक्ष ला. मंजुला व्यास ने बताया कि इस अवसर पर मानद सचिव ला. कल्पना जोशी, कोषाध्यक्ष ला. अनिता व्यास एवं कार्यकारिणी के अन्य पदाधिकारियों के साथ पांच नए सदस्यों की भी शपथ विधि होगी। शपथ के साथ ही लायंस क्लब ऑफ इंदौर जुनून की ओर से आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के बच्चों को शिक्षण शुल्क प्रदान कर आश्रम के लिए सूखा अनाज, तेल और साड़ियां भी भेंट की जाएंगी।

हमें खुश रहना और दूसरों को भी तकलीफ नहीं देना चाहिए-डॉ. मुकाती

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • शरीर में लगी चोट तो दिखाई दे जाती है, लेकिन मन की चोट दिखाई नहीं देती। मन के घाव सबसे गहरे होते हैं और उन्हें भरना सबसे कठिन। इसलिए हमें ऐसा बोलना और करना चाहिए, जिससे किसी को दुख न पहुँचे और हम स्वयं भी प्रसन्न रहें। यह विचार आयुर्वेदाचार्य डॉ. मनीष मुकाती ने विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर व्यक्त किए। लिंबोदी स्थित पहचान स्पेशल स्कूल में आयोजित इस कार्यक्रम में डॉ. मुकाती मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि अच्छा मानसिक स्वास्थ्य सुखी जीवन की आधारशिला है और प्रत्येक व्यक्ति को इसे अपनी प्राथमिकता बनाना चाहिए। उन्होंने बच्चों, शिक्षकों और अभिभावकों से मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूक रहने का आह्वान किया।

जिले में 8 नए आधार केंद्र बनेंगे आधार केंद्र स्थापित करने के लिए आवेदन आमंत्रित

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • जिला ई-गवर्नेंस सोसायटी इंदौर के अंतर्गत इंदौर जिले में संचालित किये जाने वाले 8 नवीन आधार केन्द्रों हेतु आधार पंजीयन/अपडेशन कार्य करने हेतु इच्छुक आवेदकों से निर्धारित शर्तों के अधीन आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। जिला ई-गवर्नेंस प्रबंधक श्री अतुल दुबे ने बताया कि आधार पंजीयन कार्य करने वाले इच्छुक आवेदकों की कोई आपराधिक पृष्ठभूमि नहीं होना चाहिए। आवेदन के साथ पुलिस वेरिफिकेशन संलग्र करना होगा। जिला ई-गवर्नेंस सोसाइटी इंदौर के अंतर्गत पूर्व में जिन आधार ऑपरेटर/सुपरवाइजर के द्वारा आधार पंजीयन कार्य किया गया है एवं आधार पंजीयन कार्य का शुल्क राशि DeGS में जमा नहीं की गई है, उनके आवेदन स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने मुस्लिम युवक और नाबालिग लड़की को पकड़ा, पूछताछ में हुआ खुलासा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • इंदौर जिले के हीरानगर में करणी सेना के कार्यकर्ताओ ने एक मुस्लिम युवक को नाबालिग लड़की के साथ पकड़ा और उसकी जमकर पिटाई कर दी। युवक महाराष्ट्र से इंदौर आकर रुका था। पुलिस ने जब मामले की जाँच की तो सामने आया की युवक पर महाराष्ट्र में चोरी के केस दर्ज है। युवक के मोबाइल कई फोटो वीडियो ऐसे मिले जिसमे वो अय्याशी करते दिख रहा है। फिलहाल पुलिस ने युवक ने प्रतिबंधात्मक धाराओं में केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। हीरानगर क्षेत्र में बुधवार देर रात करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने एक युवक और युवती को आपत्तिजनक हालत में पकड़ा। दोनों को मौके पर ही हीरानगर पुलिस के सुपुर्द किया गया। जांच में सामने आया कि पकड़ा गया युवक वर्ग विशेष से है और उसके खिलाफ महाराष्ट्र में चोरी के तीन मामलों में फरारी दर्ज है। पुलिस ने जब उसका आपराधिक रिकॉर्ड खंगाला तो यह जानकारी सामने आई। हीरानगर पुलिस ने तत्काल महाराष्ट्र पुलिस से संपर्क किया है।

युवक के मोबाइल से मिले वीडियो- जानकारी के अनुसार, महाराष्ट्र पुलिस टीम युवक को हिरासत में लेने के लिए इंदौर पहुंच रही है। वहीं, पुलिस युवती से भी पूछताछ कर रही है कि वह युवक के संपर्क में कैसे आई, युवक के मोबाइल से कई अयाशी करते फोटो विडियो भी सामने आये है, जिसमे वह नोटों के साथ विडियो बनाते दिख रहा है।

सोलह श्रृंगार में सजी-धजी अग्रवाल समाज की 1200 सुहागनों ने पति के हाथों खोला करवा चौथ का व्रत

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • हाथों में मेहंदी और माथे पर बिंदिया सहित सुहागन के सोलह श्रृंगार में सजी-धजी अग्रवाल समाज की 1200 महिलाओं और उनके पतिदेव ने गोयल पारमार्थिक ट्रस्ट की मेजबानी में राजीव गांधी चौराहा स्थित सोलारिस गार्डन में करवा चौथ व्रत का आनंद बड़े उत्साह, जोश और गरिमा के साथ मनाया। जैसे ही बादलों की ओट से चांद के दर्शन की प्रतीक्षा खत्म हुई, सोलह श्रृंगार में सजी-धजी महिलाओं ने चांद को अर्ध्य देकर अपने-अपने पतिदेव के परंपरागत रूप से दर्शन किए। इसके पूर्व समाज की महिलाओं ने अंताक्षरी, वन मिनट गेम्स, कपल गेम्स, कलश सज्जा, तंबोला और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी अपनी भागीदारी दर्ज कराई। नौ वर्षीय बालिका आहुति शुक्ला एवं भजन गायक धीरज तथा प्रियंका के भजनों पर मातृशक्ति ने खूब आनंद उठाया।महोत्सव संयोजक श्रीमती कनकलता-प्रेमचंद गोयल, श्रीमती कृष्णा-विजय गोयल एवं सोनल-अजय आलूवाले ने बताया कि गोयल पारमार्थिक ट्रस्ट की मेजबानी में आयोजित इस उजमन महोत्सव में महिलाओं के आगमन का क्रम सांय 7 बजे से ही शुरू हो गया था।

एक दिवसीय रोजगार मेला युवा संगम कार्यक्रम 13 अक्टूबर को

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर •राज्य शासन के निर्देशानुसार इंदौर जिले के बेरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार दिलाने के लिए कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के मार्गदर्शन में नियमित रूप से रोजगार मेले आयोजित किए जा रहे हैं। इसी सिलसिले में आगामी 13 अक्टूबर को सुबह 10.30 बजे से एक दिवसीय रोजगार मेला (युवा संगम कार्यक्रम) का आयोजन किया गया है। यह मेला जिला रोजगार कार्यालय, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान और जिला उद्योग केन्द्र इन्दौर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होगा। मेले का आयोजन औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नन्दा नगर इन्दौर में किया जा रहा है। उप संचालक रोजगार श्री पी.एस. मंडलोई ने बताया कि इस मेले में जहां एक ओर युवाओं को प्रतिष्ठित क्षेत्र की निजी कम्पनियों में नौकरी दिलाई जाएगी, वहीं दूसरी ओर खुद का व्यवसाय स्थापित करने के इच्छुक युवाओं को लोन के लिए मार्गदर्शन भी दिया जाएगा। रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की कई प्रतिष्ठित कम्पनियां द्वारा 500 से अधिक रिक्त पदों की पूर्ति हेतु प्रारम्भिक रूप से चयन किया जायेगा। रोजगार मेले में बैक ऑफिस, कम्प्यूटर ऑपरेटर, फार्माशिष्ट, सैल्स, बीपीओ, हैप्पर, डिजीटल मार्केटिंग तथा टेक्नीशियन जैसे फिटर/इलेक्ट्रीशियन/ टर्नर/ मशीनिष्ट, वैल्डर आदि पदों हेतु साक्षात्कार लेकर चयन किया जाएगा। उक्त मेले में 18 से 40 वर्ष के आवेदक जो की पॉचवी से लेकर स्नातकोत्तर किसी भी विषय में पास एवं तकनीकी योग्यता जैसे आईटीआई के आवेदक भी उक्त पदों हेतु रोजगार मेले में भाग लेकर योग्यता अनुसार रोजगार प्राप्त कर सकते है।

महंगाई भत्ते में राज्य के कर्मचारी केंद्र सरकार से 3 और पेंशनर 5 प्रतिशत पिछड़े, भेदभाव नहीं किया जाए- रस्म

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • केंद्र सरकार ने जुलाई 25 से अपने कर्मचारियों एवं पेंशनर्स के महंगाई भत्ते में 3 प्रतिशत का इजाफा किया है और इस बढ़ोतरी की एरियर राशि दिवाली पर देने की घोषणा की है किंतु प्रदेश सरकार केंद्र के अनुरूप महंगाई भत्ते देने के वादे के प्रति उदासीन है। राज्य आदर्श शिक्षक मंच (रस्म) के अध्यक्ष भगवतीप्रसाद पंडित ने प्रदेश सरकार के इस रवैये के प्रति नाराजी जाहिर करते हुए कहा कि कर्मचारियों एवं पेंशनर्स को उनका वाजिब हक दिया जाना चाहिए। श्री पंडित ने कहा कि केंद्र सरकार की घोषणा के बाद महंगाई भत्ते के मामले में राज्य के कर्मचारी 3 और पेंशनर 5 प्रतिशत पिछड़ गए हैं। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा पेंशनरों को 2 प्रतिशत भत्ता बढ़ाए जाने की सहमति के बावजूद मप्र द्वारा लेटलतीफी किये जाने का कारण समझ से परे है। उन्हें पुराने 83 माह के एरियर से भी वंचित रखा गया। पेंशनरों के साथ दोयम दर्जे का व्यवहार असंवेनशील है।रस्म के देवीसिंह बारूपाल, सुरेंद्र शुक्ला, गंगाराम प्रजापति, ताराचंद व्यास, श्रीकांत इंगले, राजकुमार यादव आदि पदाधिकारियों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री से मांग की है कि केंद्र के अनुरूप ही कर्मचारियों और पेंशनर्स को समान महंगाई भत्ता दिया जाए। प्रदेश सरकार अपने वादे के मुताबिक केंद्र के समान अपने कर्मचारियों को इसका लाभ बिना भेदभाव के प्रदान करे। एरियर राशि का भुगतान भी दिवाली पूर्व दिया जाए।

इंदौर विमानतल पर सोनकच्छ विधायक सोनकर भी पहुंचे

अरुणाचल प्रदेश में शहीद हुआ सोनकच्छ का लाल, जनप्रतिनिधियों ने पुष्पाजंली अर्पित की

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • अरुणाचल प्रदेश में सैन्य अभ्यास करते हुए देवास जिले का एक सैनिक मातृभूमि की सेवा में शहीद हो गया। टोंकखुर्द तहसील के संवरसी गांव निवासी नायक संजय मीणा भारतीय सेना में अपनी ड्यूटी निभाते हुए शहीद हुए। उनका पार्थिव शरीर आज सुबह दिल्ली से विमान द्वारा राजकीय सम्मान के साथ इंदौर लाया गया। यहां सोनकच्छ विधानसभा के डॉ राजेश सोनकर ने उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। संजय की यूनिट वर्तमान में हरियाणा के अंबाला में पदस्थ थी। कुछ दिन पूर्व वह अपनी यूनिट के साथ अरुणाचल प्रदेश में सैन्य अभ्यास के लिए गए हुए थे। वहां चार दिन पहले एक गश्त

के दौरान दुखद हादसा हुआ। कठिन पहाड़ी इलाके में ड्यूटी के दौरान संजय मीणा एक गहराई में दब गए थे। सेना के जवानों ने लगातार तीन दिनों तक अथक प्रयास कर उन्हें बाहर निकाला। इसके बाद उन्हें अंबाला यूनिट में वापस लाया गया, लेकिन डॉक्टरों के प्रयासों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। शहीद संजय मीणा का पार्थिव शरीर आज सुबह तक इंदौर लाया गया, जिसके बाद सेना के वाहन से उन्हें गांव संवरसी भेजा गया। विधायक डॉ सोनकर भी पार्थिव शरीर के साथ संवरसी रवाना हुए।

जिला पशु क्रूरता निवारण समिति सदस्यता अभियान प्रारंभ

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • इन्दौर जिले में कार्यरत पशु क्रूरता निवारण समिति इन्दौर का सदस्यता अभियान प्रारम्भ किया गया है। जिला पशु क्रूरता निवारण समिति/पशु पालन एवं डेयरी विभाग के सचिव/उपसंचालक ने जन सामान्य से अपील की है कि ऐसे महानुभाव जो मूक प्राणियों की सेवा सुश्रृता करना चाहते हैं और जिला पशु क्रूरता निवारण समिति के सदस्य बनना चाहते हैं। सदस्यता हेतु अंतिम तिथि 25 अक्टूबर तक आवेदन कर सकते हैं। आवेदन जिला कार्यालय उपसंचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग इंदौर (एम.ओ.जी.लाइन महू नाका के पास द्रविड़ नगर) से कार्यालयीन समय में प्राप्त किया जा सकेगा।

अमृत हरित महाअभियान में नगरीय क्षेत्रों में 35.59 लाख पौधे लगाये गये

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • मध्यप्रदेश के नगरीय निकाय में 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस से अब तक 35 लाख 59 हजार पौधे लगाये जा चुके हैं। लगाये गये पौधों की सुरक्षा के लिये प्रशिक्षण देने की व्यवस्था की गई है। नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग ने अमृत हरित महाअभियान में सघन पौध रोपण के लिये जनभागीदारी की पहल की थी। इस महाअभियान में एक पेड़ माँ के नाम और वूमेन फॉर ट्रीज जैसे कार्यक्रम शामिल थे।विभाग द्वारा हरित क्षेत्र विकास के अंतर्गत पौध रोपण के बाद उनकी सुरक्षा की गतिविधियों की समीक्षा के लिये अधिकारियों और विशेषज्ञों के द्वारा स्थल निरीक्षण और सुरक्षा के उपायों की जानकारी दी जा रही है। प्रदेश में 1123 महिला अमृत मित्रों को पौधो की निगरानी की जिम्मेदारी सौपी गयी है। इनकी संख्या बढ़ाने के लिये महिला स्व-सहायता समूह की अन्य महिलाओं को भी चयन के बाद प्रशिक्षण दिये जाने की व्यवस्था की गई है। अब तक सांची, औबेदुल्लागंज, मंडीदीप, उज्जैन, बदनावर, पीथमपुर, महू, इंदौर, देवास, दतिया सहित कई अन्य नगरीय निकायों में स्थल निरीक्षण और प्रशिक्षण का कार्य किया जा चुका है।

सम्पादकीय

डिजिटल धोखाधड़ी बनती जा रही है हमारे लिए एक गंभीर समस्या, सख्त कानूनों के बावजूद आम लोग हो रहे शिकार

अब ऐसी घटनाएं कोई नई नहीं रह गई हैं, लेकिन इसमें तेजी से होते इजाफे ने यह सवाल पैदा किया है कि जिन डिजिटल संसाधनों का विकास सुविधाजनक और सुरक्षित लेनदेन और अन्य गतिविधियों के लिए किया गया, आज उसी से उपजे खतरे से निपटने के तौर-तरीके आम क्यों नहीं हो पा रहे हैं। तेजी से बदलते दौर में नई तकनीकों के उपयोग को वक्त की जरूरत के तौर पर देखा जा रहा है। इसी क्रम में आम जिंदगी में संवाद से लेकर पढ़ाई-लिखाई और लेन-देन जैसे तमाम मामले अगर डिजिटल तकनीक के दायरे में आ रहे हैं तो यह स्वाभाविक है। इसी के मद्देनजर 'डिजिटल इंडिया' का नारा भी दिया गया, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इंटरनेट आधारित तकनीकों के उपयोग के प्रति आकर्षित हों। विडंबना यह है कि जिस तेजी के साथ डिजिटल यंत्रों का उपयोग बढ़ा है, उसी अनुपात में इसमें सुरक्षित गतिविधियों का ढांचा विकसित नहीं हुआ है। इससे उपजने वाले जोखिम रोज नए और जटिल स्वरूप में सामने आ रहे हैं। अमूमन हर रोज देश के किसी हिस्से से डिजिटल धोखाधड़ी की खबरें आती हैं और उसमें किसी की मेहनत की कमाई के लाखों रुपए अलग-अलग तरीके से लूट या उड़ा लिए जाते हैं। ऐसे मामले आम हैं, जिनमें सिर्फ किसी को फोन पर की जाने वाली बातचीत में उलझा कर उसे धोखाधड़ी का शिकार बनाया गया। सवाल है कि अगर देश में आधुनिक तकनीकों का विस्तार किया जा रहा है तो क्या इससे बचाव के इंतजामों को भी उतना ही अहम माना जा रहा है। गौरतलब है कि बुधवार को भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर ने यह कहा कि डिजिटल धोखाधड़ी हमारे लिए एक गंभीर समस्या बनती जा रही है, इसलिए इस पर अंकुश लगाने के लिए ठोस प्रयास किए जाने की जरूरत है। हालांकि डिजिटल फर्जीवाड़े के मामलों में कोई अचानक उफान नहीं आया है, बल्कि पिछले कुछ वर्षों से लगातार ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं, जिससे यह साफ है कि आधुनिक तकनीक जितनी सुविधाजनक है, उतना ही यह जोखिम का वाहक भी बन रही है। किसी के मोबाइल पर एक अनजान नंबर से फोन आता है और वह व्यक्ति बातों के जाल में इस कदर फंस जाता है कि अपने बैंक खाते से खुद ही लाखों रुपए भेज देता है। इसके कुछ ही पल बाद जब उसे अपने साथ हुई धोखाधड़ी के बारे में पता चलता है, तब तक देर हो चुकी होती है। पिछले कुछ समय से ऐसे मामले आम होते देखे गए हैं, जिसमें अनजान नंबर से आए फोन काल के जरिए किसी व्यक्ति को डरा-धमका कर 'डिजिटल कैद' की स्थिति में डाल दिया जाता है और फिर भयादोहन करके उसके बैंक खाते में जमा रकम को उड़ा लिया जाता है।

सफेद कोट की एक्सपायरी डेट

जहां हर खाँसी पर कमीशन और हर सिरप में प्रमोशन है

कफ सिरप तो बहाना था – मकसद था मुनाफे की खांसी बेचना! मध्यप्रदेश के इस घोटाले ने सफेद कोट के भीतर छिपी काली कमाई की परतें उघाड़ दी हैं, जहां इलाज नहीं, इनवॉइस लिखा जाता है, और मरीज नहीं, मार्केट देखा जाता है। फार्मा कंपनियों के चमचमाते गिफ्ट बॉक्स, डॉक्टरों के 'सेल्स टारगेट' और हर प्रिस्क्रिप्शन में छिपी कमीशन की खुशबू – यही है इस सिरप सिंडिकेट का असली केमिकल फॉर्मूला। यहां दवा की बोतलें झूमती हैं जब नैतिकता की आत्मा दम तोड़ती है। किसी ने सही कहा –'बीमारी नहीं बिकती, उसे बेचा जाता है!'

मध्यप्रदेश के कफ सिरप कांड ने अब उस गंदे गठजोड़ को उजागर कर दिया है, जहां रोग से ज़्यादा रोगी का बिल मायने रखता है और स्टेथोस्कोप से ज़्यादा काम आता है पेन ड्राइव। यहां दवा नहीं, डील लिखी जाती है – एक तरफ फार्मा कंपनियों के चमचमाते गिफ्ट बॉक्स और दूसरी तरफ डॉक्टर साहब की नैतिकता की 'एक्सपायरी डेट'। रात में जब डॉक्टर साहब अपनी नई कार की चाबी घुमाते हैं, तो उनके सिरप की बोतलें भी मुस्कुरा उठती हैं –क्योंकि कहीं कोई खाँस रहा होता है, किसी मां ने बच्चा खोया होता है, और किसी कंपनी के अकाउंट में बोनस जमा हुआ होता है।

गिफ्ट का गॉडफादरः फार्मा कंपनी

कहने को डॉक्टर 'भगवान' हैं, पर इन कंपनियों के लिए वे बस 'सेल्स एजेंट' हैं, जिनकी मासिक रिपोर्ट कार्ड में लिखा होता है – कितनी बोतल सिरप की निकली? कितने मरीजों को प्रिस्क्रिप्शन में जोड़ा गया? इस गुप्त खेल में गिफ्ट की ग्रामेज़ बढ़ती है, जब खपत का वॉल्यूम बढ़ता है। किसी को Apple iPhone, किसी को गोवा ट्रिप, और किसी को कॉन्फ्रेंस के नाम पर दुबई टूर – बस शर्त इतनी कि हर खाँसी पर वही सिरप, हर बुखार पर वही ब्रांड।

डॉक्टर या डीलर?

एक समय था जब डॉक्टर मरीज की नब्ज़ टटोलता था, अब कंपनी की नब्ज़ पकड़कर चलता है – इस महीने का टारगेट क्या है? कफ सिरप कांड में भी यही हुआ, डॉ. प्रवीण सोनी और उनके जैसे कई डॉक्टरों पर आरोप है कि उन्हें कंपनियों ने सिरप की बिक्री का हफ्तावार या मासिक लक्ष्य दिया था – हर वीक 200 बोतल खपत चाहिए, नहीं तो अगले महीने का बोनस कैंसिल! कंपनी का एजेंट विज़िट करता, गिफ्ट देता और कहता – सर, थोड़ा 'कफ' बढ़ाइए, कंपनी खुश रहेगी।

पैसे का प्रेशर और मरीज का मोल

फार्मा कंपनियां जानती हैं – हर प्रिस्क्रिप्शन एक इनवॉइस है। महंगे गिफ्ट्स का खेल इतना परिष्कृत है कि भेंट का नाम बदलकर प्रमोशन सपोर्ट रख दिया गया। डॉक्टर के क्लिनिक में लगे पर्दे, नया फ्रिज, एसी – सब एक ही सिरप के गिफ्ट से जन्मा वैभव। कहीं गिफ्ट कार्ड, कहीं सोने की चेन, तो कहीं एमबीबीएस को स्क्रबना देने वाले टारगेट्स।

नैतिकता की ऑक्सीजन खत्म

एक जमाना था जब डॉक्टर हिप्पोक्रेटिक ओथ लेते थे, अब लगता है कॉर्पोरेटिक ओथ ले रहे हैं –

"I shall prescribe not what cures, but what pays."

कफ सिरप कांड में जब बच्चों की जानें गईं, तब जाकर यह सड़ा हुआ सिस्टम खुला। लेकिन असली सवाल यही है — क्या सिर्फ डॉ. प्रवीण सोनी दोषी हैं, या वो पूरा फार्मा-डॉक्टर नेक्सस जो बीमारी को व्यापार में बदल चुका है?

हर गिलास में सिरप नहीं, बल्कि सिस्टम की सड़ी गंध घुली है। हर बोतल में सिर्फ दवा नहीं, बल्कि 'डील' लिखी है। सफेद कोट अब भरोसे का नहीं, बल्कि 'मार्केट शेयर' का प्रतीक बन गया है। जब तक यह मेडिकल मार्केटिंग का महायज्ञ जलता रहेगा, तब तक इलाज नहीं –सिर्फ इनवॉइस लिखे जाएंगे, और इंसान नहीं –टारगेट मरेगा।

अजय कुमार बियाणी, इंजीनियर

तारीख पर तारीख - अदालतें न्याय नहीं, इंतजार देती हैं

भारत में न्याय मिलना अब उतना ही दुर्लभ हो गया है, जितना रेल यात्रा के बिना वेटिंग के टिकिट मिलना। लोग कहते हैं न्याय अंधा होता है, असलियत में न्याय केवल अंधा नहीं, थोड़ा बहिरा और सुस्त भी हो गया है। अदालतें तारीख पर तारीख देने में इतनी पारंगत हो गई हैं, अगर 'तारीखें देने की ओलंपिक प्रतियोगिता' होती, तो भारत अब तक कई गोल्ड जीत चुका होता। कहते हैं कि देश में क़ानून सबके लिए बराबर है, मगर फर्क बस इतना है, कुछ लोगों को फैसला जिंदा रहते मिल जाता है। कुछ को मरने के बाद न्याय मिलता है। न्यायालयों में फाइलों के पहाड़ देखकर लगता है, जैसे हिमालय ने अदालतों में अपनी शाखा खोल ली हो। 5.15 करोड़ से ज़्यादा मामले अदालतों में लंबित हैं। सुप्रीम कोर्ट में लगभग 82 हज़ार, हाई कोर्टों में 57 लाख 82 हज़ार, और जिला अदालतों में 4 करोड़ 56 लाख केस लंबित है। अब ज़रा सोचिए, अगर हर जज रोज़ 10 केस निपटाए तो भी इन सबको सुलझाने में दशकों लग जाएंगे, तब तक शायद अगली पीढ़ी भी रिटायर होकर न्याय पाने से वंचित हो जाएगी। अब बात जजों की करें, तो हालत और भी मजेदार है। देश में 5 करोड़ केसों के लिए कुल जज लगभग 25 हज़ार हैं । जैसे 100 बच्चों की क्लास को पढ़ाने के लिए एक ही टीचर रख दिया जाए, वैसे ही करोड़ों लोगों के न्याय के लिए मुट्ठीभर जज हैं। सुप्रीम कोर्ट में एक पद खाली, हाई कोर्टों में 368 रिक्तियां और जिला अदालतों में 5,262 कुर्सियां खाली है। लगता है न्याय की कुर्सियाँ भी न्याय की प्रतीक्षा में हैं। यह पद कई साल पहले निर्धारित किये गए थे। जब मुकदमों की संख्या कम थी। फिर आता है पुलिस का 90 दिन वाला खेल। चार्जशीट दाखिल करनी है, लेकिन समय नहीं मिला, कागज़ नहीं मिला, अफसर छुट्टी पर हैं, या 'नेटवर्क इश्यू' है। नतीजा, आरोपी जेल में सड़ता रहता है, कभी-कभी जितनी सजा उसे किये गये अपराध में मिलनी ही नहीं थी। उससे ज्यादा समय तक उसे जेल में रखा जाता है। जेलों में कैदी कम, हवालाती ज़्यादा हैं, यह सब प्रोसीजर के नाम पर होता है। न्याय की रफ़्तार इतनी धीमी है कि घोंघा भी उसे देखकर बोले, भाई, तू पहले जा, मैं बाद में आता हूँ। गवाह समय पर नहीं आते, वकील तारीख बदलवा लेते हैं। जब जज छुट्टी पर जाते हैं, तो पूरा न्याय तंत्र सो जाता है। जनता के टैक्स से चलने वाला यह तंत्र अब जनता की उम्मीदों का न्यायतंत्र अब अन्यायतंत्र में तबदील हो गया है। अदालतें कभी-कभी तो खुद भूल जाती हैं, कि मामला शुरू किस बात पर हुआ था। अब सरकार कहती है कि रिक्त पद जल्द भरेंगे। पर न्याय के इस ऑफिस में जल्द का समय निर्धारित नहीं है। अगर फाइलें इतनी ही तेजी से चलतीं, जितनी प्रेस कॉन्फ्रेंस होती हैं, तो आज देश में कोई भी केस लंबित न होता। समाधान की बात करें तो विशेषज्ञ कहते हैं कि प्रोसेस में सुधार चाहिए। पर जनता कहती है, भाई, पहले प्रोसेस को जगा तो लो। अगर अदालतें तय कर लें कि तीन सुनवाइयों के भीतर फैसला देना है, एक अभियोजन की दलील, एक सफाई की दलील, एक बहस की दलील। तो शायद न्यायालयों में कुर्सियों में जो धूल जम गई है, वह साफ हो जायेगी। लेखक – सौरभ जैन

आंचलिक

किसान संघ ने दी मंडी बंद की चेतावनी -15 अक्टूबर से हो खरीदी शुरू

खरगौन • दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन में भारतीय किसान संघ ने शुक्रवार को धरना प्रदर्शन किया। संघ ने चेतावनी दी कि यदि भारतीय कपास निगम (सीसीआई) द्वारा 15 अक्टूबर तक कपास की खरीदी शुरू नहीं की गई, तो मंडी बंद कर दी जाएगी। किसानों ने सोयाबीन और मक्का की फसलों के लिए जल्द मुआवजे और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदी की भी मांग की।

मंडी बंद करने की दी चेतावनी

प्रदर्शन के दौरान मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन एसडीएम को सौंपा गया। ज्ञापन में खराब हुई सोयाबीन फसल का सर्वे कराकर राहत राशि देने और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ प्रदान करने की मांग की गई। लगभग दो घंटे चले धरना प्रदर्शन के बाद यह पत्र तहसीलदार प्रतापसिंह अजनार को सौंपा गया।

किसानों ने भावांतर योजना को %छलावा% बताते हुए कहा कि इससे किसानों को कम और व्यापारी वर्ग को अधिक फायदा होता है। उन्होंने पिछले अनुभवों को ठीक न बताते हुए सभी फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी की मांग की। इस अवसर पर तहसील अध्यक्ष राधेश्याम पटेल, नगर अध्यक्ष नरेंद्रसिंह सोलंकी, श्यामसिंह पंवार, जिला उपाध्यक्ष गजानंद बांके, जिला मंत्री वासुदेव चौधरी, मुकेश पटेल, धर्मेंद्र बटानिया, जयनारायण पटेल और राजेश पटेल सहित कई किसान उपस्थित थे।

हाईवे पर गिरा पटाखों का बारूद, मचा हड़कंप

खरगौन • दैनिक इंदौर संकेत

बड़ोदरा हाईवे पर उस समय हड़कंप मच गया जब यातायात थाने के पास अज्ञात ट्रक से पटाखों में इस्तेमाल होने वाला बारूद सड़क पर बिखर गया। करीब 50 मीटर तक रोड पर बारूद दिखाई दिया। संदिग्ध ट्रक शहर की सीमा पार कर चुका था। बम स्क्वॉड और डॉग स्क्वॉड की टीम पहुंची और जांच की। स्क्वॉड प्रभारी संजय मौर्य ने बताया कि बारूद का फिजिकल निरीक्षण किया गया, जिसमें सल्फर, पोटेशियम नाइट्रेट और चारकोल का मिश्रण मिला है। यह ज्वलनशील है और आमतौर पर इसका उपयोग पटाखों में होता है। घटना के बाद पुलिस ने फायर फाइटर को बुलाकर सड़क की सफाई कराई ताकि कोई दुर्घटना न हो।

खरगोन में हरी मिर्च खरीदकर व्यापारी फरार -10 किसानों के 15 लाख रुपये बकाया

खरगौन • दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन जिले के गावसन गांव में किसानों से हरी मिर्च खरीदने के बाद एक व्यापारी के फरार होने का मामला सामने आया है। इस व्यापारी पर 10 से ज्यादा किसानों के करीब 15 लाख रुपये बकाया हैं। किसान अब अपनी रकम वापस पाने को लेकर परेशान हैं।

मिर्च खरीद कर नगद भुगतान नहीं किया- शुक्रवार दोपहर किसानों ने एसपी रवींद्र वर्मा से मुलाकात कर मदद की गुहार लगाई। किसानों ने बताया कि गावसन के लगभग 10 किसानों ने मिलकर एक समिति बनाई थी और इसके जरिए भानभरड़ के व्यापारी लोकेंद्र गुर्जर को 31 अगस्त को हरी मिर्च से भरा ट्रक बेचा था। इसकी कीमत 15 लाख रुपये से ज्यादा थी। लेकिन पैसे मांगने पर व्यापारी ने मोबाइल बंद कर लिया और अब गायब है।

एसपी से की शिकायत- किसान प्रतिनिधि गोपाल पाटीदार ने बताया कि शुरुआत में व्यापारी कुछ दिनों तक फोन पर बात करता रहा, लेकिन पिछले एक महीने से उसका मोबाइल बंद है। जब किसान उसके घर गए, तो वह वहां भी नहीं मिला। किसान कृष्णलाल पाटीदार ने बताया कि उन्होंने टांडाबरुड पुलिस में शिकायत भी की थी। पुलिस ने व्यापारी को बुलाकर पूछताछ की, लेकिन बाद में उसे छोड़ दिया। कार्रवाई न होने पर किसानों ने एसपी से शिकायत की।

उम्रदराज मोरटक्का पुल से भारी वाहनों पर रोक लगी

खंडवा • दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा जिले में नर्मदा नदी पर बने जर्जर मोरटक्का पुल को लेकर प्रशासन ने यू-टर्न ले लिया है। हाल में हुए हादसों और पुल की कमजोरी पर भास्कर की खबर के बाद कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने एक बार फिर पुल से 20 टन से भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक लगा दी है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। कुछ समय पहले विशेषज्ञों की सलाह के बावजूद यह रोक हटा दी गई थी।

नर्मदा में आई बाढ़ के बाद यह पुल क्षतिग्रस्त हो गया था। इंदौर के सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज के विशेषज्ञों ने जांच के बाद रिपोर्ट दी थी कि पुल 20 टन से ज्यादा वजन के लिए असुरक्षित है। उन्होंने यहां तक

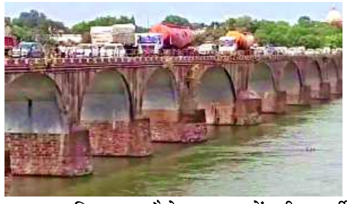

कहा था कि युद्ध जैसे हालात में भी आर्मी टैंकों को एक-एक करके निकाला जाए। इसी रिपोर्ट के आधार पर पहले रोक लगाई गई थी।

सांसद के कहने पर हटाया था पिछला आदेश

सूत्रों के मुताबिक, विशेषज्ञों की रिपोर्ट पर लगी रोक को कलेक्टर ने सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल के कहने पर निरस्त कर दिया था। लेकिन, भास्कर द्वारा लगातार पुल की कमजोरी उजागर करने और हाल में हुए दो हादसों के बाद प्रशासन को अपना फैसला बदलना पड़ा।

अब यह रहेगा डायवर्जन रूट

नए आदेश के अनुसार, 6 पहियों से अधिक और 20 टन से ज्यादा वजन वाले भारी वाहन अब इस पुल से नहीं गुजर सकेंगे। बुरहानपुर से आने वाले वाहन- देशगांव से खरगोन-धामनोद होते हुए एबी रोड पर निकलेंगे। इंदौर से आने वाले वाहन- खरगोन-धामनोद होते हुए देशगांव के रास्ते अपने गंतव्य तक जाएंगे।

नोट चबाकर निगलने की कोशिश करने वाले पटवारी को जेल में 3 साल की सजा

खंडवा • दैनिक इंदौर संकेत

विशेष न्यायालय ने रिश्वतखोरी के मामले में पटवारी राजेश धात्रक को तीन साल के सश्रम कारावास और 25 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। यह मामला वर्ष 2020 का है, जब पटवारी ने एक किसान से नामांतरण के लिए 10 हजार रुपए प्रति पावती की रिश्वत मांगी थी। अभियोजन मीडिया सेल प्रभारी हरिप्रसाद बांके ने बताया कि ग्राम सुरगांव जोशी के किसान मांगीलाल प्यारो (रिटायर्ड टीचर) ने लोकायुक्त कार्यालय इंदौर में शिकायत की थी कि पटवारी राजेश धात्रक नामांतरण के बदले रिश्वत मांग रहा है। शिकायत पर लोकायुक्त पुलिस ने जाल बिछाया और धात्रक को उसके प्राइवेट ऑफिस से 4 हजार रुपए की घूस लेते पकड़ा। जब पुलिस उसे पकड़कर बाहर ला रही थी, तो उसने अचानक हाथ छुड़ाकर नोट मुंह में डाल लिए और चबाने लगा, ताकि सबूत मिटा सके।

जान बचाने वाले से युवक बोला एहसान थोड़ी किया ओंकारेश्वर में डूब रहे तीन दोस्तों को नाविक ने बचाया

खंडवा • दैनिक इंदौर संकेत

पुण्य सलिला नर्मदा में आस्था की डुबकी लगाने आए तीन युवकों की जान पर बन आई। लहरों ने उन्हें अपनी गिरफ्त में ले लिया, लेकिन मसीहा बनकर आए नाविक दीपक केवट ने उन्हें मौत के मुंह से खींच निकाला। मगर, कहानी में ट्विस्ट तब आया जब तीनों में से एक युवक ने बेरुखी दिखाते हुए कह दिया, बचा लिया तो कौन सा एहसान कर दिया इस बात पर घाट पर मौजूद श्रद्धालुओं का पारा चढ़ गया और उन्होंने युवक की जमकर खबर ली।

घटना ओंकारेश्वर के चक्रतीर्थ घाट पर हुआ। बैतूल से आए पांच दोस्त खंडवा के बड़वाह में मजदूरी करते हैं। सुबह-सुबह वे नर्मदा में स्नान करने पहुंचे थे। अचानक तेज बहाव में अनिल, अश्विन और एक अन्य युवक बहने लगे। उनके बाकी दो साथी तो डर के मारे घाट से ही भाग खड़े हुए।

नाविक दीपक केवट ने बताया, अनिल किनारे पर डूब रहा था, जबकि अश्विन बीच धारा में फंस गया था। मैंने तुरंत नाव भेजी और दोनों को बाहर निकाला। तीसरे को जब बचाया तो उसने बड़ी शान से कहा कि कौन सा एहसान कर दिया। दीपक के मुताबिक, युवक की इस बात से श्रद्धालुओं में गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने उसकी धुनाई कर दी। इसके बाद तीनों वहां से रफूचक्कर हो गए।

गौरतलब है कि, चक्रतीर्थ घाट पर पहले भी ऐसे हादसे हो चुके हैं। एक महीने पहले भी दीपक केवट के बेटे ने चार लोगों को डूबने से बचाया था। ओंकारेश्वर में हर साल लाखों श्रद्धालु आते हैं। नर्मदा का तेज बहाव यहां हमेशा खतरा बना रहता है। बावजूद इसके, घाटों पर सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं हैं। न तो गोताखोर तैनात हैं और न ही कोई चेतावनी बोर्ड लगा है। प्रशासन सिर्फ खानापूर्ति कर रहा है, जबकि लोगों की जान खतरे में है।

आदिवासी समाज धर्मांतरण रोकने के लिए एकजुट -नेपानगर में जनजातीय सुरक्षा मंच ने की धर्म रक्षा सभा

बुरहानपुर • दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर के नेपानगर में शुक्रवार को जनजातीय सुरक्षा मंच ने धर्म रक्षा सभा आयोजित की। इसका मुख्य उद्देश्य आदिवासी समाज में धर्मांतरण को रोकना और धर्मांतरण कानून में किसी भी बदलाव का विरोध करना था। जनजातीय सुरक्षा मंच के जिला संयोजक राजेश कास्डे ने बताया कि कुछ लोग धर्मांतरण कानून में बदलाव चाहते हैं, जिसका मंच विरोध करता है। उन्होंने कहा कि यह सभा आदिवासी समाज को धर्मांतरण के खिलाफ

जागरूक करने के लिए आयोजित की गई है।

नेपानगर के अणुव्रत भवन में आयोजित इस सभा में नेपानगर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में आदिवासी शामिल हुए। वक्ताओं ने धर्म की स्वतंत्रता और कानून की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हर व्यक्ति को अपने धर्म को मानने, आचरण करने और प्रचार करने की स्वतंत्रता है, लेकिन किसी को लालच या दबाव देकर धर्म बदलवाना अपराध है। सभा में धर्मांतरण रोकने और समाज को जागरूक करने पर जोर दिया गया। आदिवासी भील समाज के मनोहर गौतम, विक्की वाखले और अन्य प्रमुख लोग भी उपस्थित रहे।

हरमनप्रीत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार के लिए शीर्ष क्रम को जिम्मेदार बताया

विशाखापत्तनम (एजेंसी) ● भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्वकप मुकाबले में हार के बाद बेहद नाराज नजर आयीं। इस मैच में भारतीय टीम जीत के करीब पहुंचकर भी हार गयी। विश्वकप में ये भारतीय टीम की पहली हार है। पहले मैच में उसने श्रीलंका और दूसरे में पाकिस्तान को हराया था। हरमनप्रीत ने हार के लिए शीर्ष क्रम को जिम्मेदार बताया है। उनका कहना है कि शीर्ष क्रम ने रन नहीं बनाये। इस मैच में ऋचा घोष के साथ मिलकर निचले क्रम की बल्लेबाजों ने रन बनाकर सम्मानजनक स्कोर बनाया। ऋचा की इस मैच में 94 रनों की पारी के बाद भी टीम को हार का सामना करना पड़ा। दक्षिण अफ्रीका ने इस मैच में शुरुआती पांच विकेट गंवाने के बाद भी जीत हासिल कर ली। मैच के बाद हरमनप्रीत ने कहा, शीर्ष क्रम ने जिम्मेदारी से नहीं खेला और अपने विकेट सस्ते में ही गंवा दिये ये गलती इससे पहले के मैचों में भी हुई थी हालांकि हमें काफी सबक भी मिले हैं। मुझे लगता है कि एक टीम के रूप में हमें बैठकर बात करनी होगी कि एक अच्छा स्कोर बनाने के लिए कौन सी चीजें हमारे लिए प्रभावी होंगी। यह एक लंबा टूर्नामेंट है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच हमारे लिए मुश्किल पर हमें इससे काफी कुछ सीखने को भी मिला है। इससे हमें आगे के मैचों में बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा मिली है।

सिने जगत

नोरा ने नया गाना दिलबर की आँखों का किया जारी

मुंबई (एजेंसी) ● नोरा फतेही मैडॉक फिल्म्स की आगामी फिल्म थाम्मा में अपने नए गाने दिलबर की आँखों का के साथ बॉलीवुड डांस की दुनिया में एक और ब्लॉकबस्टर गाने के साथ वापस आ रही हैं। यह खबर खुद नोरा फतेही ने दी है। इस गाने में रश्मिका मंदाना और आयुष्मान खुराना मुख्य भूमिका में हैं। अपने फैंस के लिए एक रोमांचक संदेश में, नोरा ने कहा, हाय मेरे प्यारे दोस्तों, मैं आज आपसे कुछ बेहद रोमांचक बात करने आई हूँ। चलिए, उस खास बात पर बात करते हैं। जोकि सब जानते हैं कि मैंने काफी समय से किसी बॉलीवुड फिल्म में डांस नंबर नहीं किया है। दिलबर और कमरिया मेरी जिंदगी का धमाकेदार मोड़ था। इसने मुझे पहचान दिलाई और आप लोगों से मेरा परिचय दिलबर गर्ल और कमरिया गर्ल के रूप में हुआ। स्त्री में कमरिया गाने के ज़रिए मुझे यह किरदार मिला और इसने मेरी ज़िंदगी बदल दी। एक और दिलचस्प बात यह है कि मैंने दिलबर और कमरिया एक ही समय पर शूट किए और दोनों एक ही महीने में रिलीज़ हुए।

फरहान के साथ काम करने का अनुभव में साझा किया अमिताभ ने

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेता अमिताभ बच्चन ने फिल्म लक्ष्य में फरहान अख्तर के साथ काम किया था। इस फिल्म से जुड़ा अपना अनुभव अमिताभ बच्चन ने रियलिटी शो कौन बनेगा करोड़पति में शेयर किया। अपने अनुभव साझा करते हुए अमिताभ ने कहा कि वे फरहान के सामने खुद को नौसिखिया महसूस करने लगे थे। हाल ही में इसका एक प्रोमो जारी किया गया है। इसमें फरहान अख्तर और उनके पिता जावेद अख्तर हॉट सीट पर बैठे दिखाई दिए। इस दौरान अमिताभ बच्चन ने लक्ष्य के सेट पर फरहान के साथ काम करने के अपने अनुभव को याद किया। हमने भी एक फिल्म की है, वह फिल्म लक्ष्य थी। मेरे साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा? अमिताभ बच्चन कहते हैं, वह रात में हमारे कमरे में आए। उन्होंने कहा, अमित अंकल, क्या आपको कोई दिक्कत हो रही है? पहली बार मुझे लगा कि मैं नौसिखिया हूं और यह उस्ताद बैठे हैं। वह मुझसे कह रहे हैं, देखो बेटा, मैं तुम्हें बताता हूं कि कैसे अभिनय करना। यह सुनने के बाद फरहान अख्तर, उनके पिता और पूरी ऑडियंस जोर-जोर से हंसने लगी। प्रोमो में दिख रहा है कि अमिताभ बच्चन का जन्मदिन भी सेट पर मनाया गया।

हॉकी को शताब्दी वर्ष होने पर हर स्कूल हॉकी अभियान कल से शुरु

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● हॉकी इंदौर एसोसिएशन के सचिव किशोर शुक्ला,सहसचिव मो याकूब अंसारी ने बताया कि भारत मे हॉकी खेल को नवंबर माह 100 वर्ष पूर्ण होने पर व राष्ट्रीय खेल हॉकी को आगे बढ़ाने के लिए हॉकी इंदौर एसोसिएशन द्वार हर स्कूल हॉकी अभियान चलाया जाएगा शुक्ला व अंसारी ने बताया कि ग्रास रूट पर हॉकी खेल को बढ़ाने के लिए हर स्कूल हॉकी अभियान की शुरुआत कल दिनांक 11 अक्टूबर 2025 को समय 10 बजे चिल्ड्रन एकेडमी स्कूल मे अन्तरराष्ट्रीय हॉकी खिलाडी मीररंजन नेगी द्वार स्कूल के खिलाड़ियों को हॉकी व खेल सामग्री वितरण कर हर स्कूल हॉकी अभियान की शुरुआत की जाएगी।

मैक्सवेल को भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में खेलने की उम्मीद

मेलबर्न (एजेंसी) ● ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल भारतीय टीम के खिलाफ अगले माह होने वाली टी20 सीरीज से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कर सकते हैं। मैक्सवेल अभी कलाई की सर्जरी से उबर रहे हैं। मैक्सवेल को उम्मीद है कि वह भारतीय टीम के खिलाफ टी20 सीरीज के अंतिम तीन मैचों तक पूरी तरह से फिट हो जाएंगे। मैक्सवेल ने अपनी दाहिनी कलाई की सर्जरी कराई है। वह न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले नेट सत्र के दौरान चोटिल हो गये थे। उन्हें भारत के खिलाफ 29 और 31 अक्टूबर को होने वाले पहले दो टी20 मैचों के लिए शामिल नहीं किया गया है।

मैक्सवेल ने कहा, ''मुझे लगता है कि सर्जरी के बाद मेरे भारत के खिलाफ होने वाली सीरीज में खेलने की थोड़ी उम्मीद बनी है हालांकि इसके लिए मुझे शीघ्र फिटनेस हासिल करनी होगी।'' मैक्सवेल ने जल्द से जल्द फिट होने के लिए सर्जरी का विकल्प चुना, जिससे वह भारतीय टीम के साथ होने वाली सीरीज के अंतिम तीन मैचों में खेल सकें। ये मैच होबार्ट में दो नवंबर, गोल्ड कोस्ट में छह नवंबर और ब्रिस्बेन में आठ नवंबर को खेले जाएंगे। उन्होंने आगे कहा, ''मैंने सर्जरी इसलिए करवाई, क्योंकि मुझे दो विकल्प दिए गए थे या तो मैं भारत के खिलाफ सीरीज से हट जाऊं या उसमें खेलने के लिए अपनी उम्मीद बनाये रखूं। इससे मेरी उस सीरीज में खेलने की उम्मीद बनी रहेगी। यदि ऐसा नहीं हुआ तो भी मैं बीबीएल में खेल पाउंगा और मुझे लगता है कि इससे मुझे शारीरिक तौर पर पूरी तरह से फिट रहने में सहायता मिलेगी।'' मैक्सवेल ने कहा कि उनकी कलाई से प्लास्टर हटा दिया गया है पर अभी वह सावधानी रखने के लिए प्लास्टिक की पट्टी पहनेंगे पर उन्हें कलाई को फिर से हिलाने-डुलाने की अनुमति मिल गयी है। टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने भविष्य को लेकर उन्होंने कहा कि वह अभी ज्यादा आगे का नहीं सोच रहे।

उज्जैन संभाग

उज्जैन में दिखी विशालकाय छिपकली-

वन विभाग की टीम पहुंची रेस्क्यू के लिए, कोमोडो ड्रैगन हो सकती है!

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

उज्जैन ● उज्जैन के नागझिरी इलाके में शुक्रवार विशालकाय छिपकली (संभावित कोमोडो ड्रैगन) दिखने से रहवासी घबरा गए। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और करीब एक घंटे तक सर्चिंग की, लेकिन छिपकली नहीं मिली। हालांकि, जिसे देखा गया वह कोमोडो ड्रैगन जैसा जीव था और स्थानीय लोगों ने उसका फोटो भी वन विभाग को सौंपा है।

घटना शिप्रा विहार कॉलोनी के पास स्थित एकात्म परिसर की है। यहां रहने वाले चेतन कुमाऊ जब घर लौट रहे थे, तभी उन्हें करीब तीन फीट लंबी बड़ी छिपकली दिखी। उन्होंने तुरंत उसका मोबाइल से फोटो खींचा, लेकिन तब तक वह छिपकली नाले में चली गई। इसके बाद चेतन ने इसकी जानकारी पुलिस और वन विभाग को दी।

वन विभाग को नहीं मिला कोमोडो ड्रैगन

वन विभाग की टीम में रेंजर मदन सिंह मोहरे, उमेश वर्मा, राजेंद्र चौहान और सोनू चौहान शामिल थे। वह मौके पर पहुंचे और एक घंटे तक इलाके में तलाशी ली, लेकिन छिपकली का कोई सुराग नहीं मिला। रेंजर मोहरे ने बताया कि छिपकली इंसानों को नुकसान नहीं पहुंचाती है, इसलिए डरने की जरूरत नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि मध्य प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में इस प्रकार की प्रजातियां देखी गई हैं, संभवत: यह वही हो सकती है। फिलहाल, माना जा रहा है कि छिपकली नाले या चेंबर में छिपी हुई है। बाहर आने पर ही उसे सुरक्षित पकड़ा जा सकेगा। उन्होंने रहवासियों से अपील की है कि अगर यह जीव फिर से दिखाई दे तो तुरंत वन विभाग को सूचित करें।

सीएम ने कालिदास अकादमी में गाड़ियां वितरित की -उन्हेल में 133 करोड़ से अधिक के निर्माण कार्यों का भूमिपूजन-लोकार्पण हुआ

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

उज्जैन ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार को उज्जैन पहुंचें। सबसे पहले उन्हेल में 133 करोड़ रुपए से अधिक के निर्माण कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया। कार्यक्रम में सांसद अनिल फिरोजिया, राज्यसभा सांसद बाल योगी उमेशनाथ, विधायक सतीश मालवीय, जितेंद्र पंड्या सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। सीएम डॉ मोहन यादव उन्हेल के बाद अवंतिका कालेज, कालिदास अकादमी और फिर अंत में सम्राट विक्रमादित्य की पट्टिका के अनावरण कार्यक्रम में पहुंचे। सीएम ने कहा- सरकार दिव्यांगों, युवा, महिला, किसान सबके के साथ है। आज खास दिन है सारी बहनें पतियों की दीर्घायु के लिए व्रत रखती है, बहनों को बधाई देता देता हूं। करवा चौथ पर बोले, आज का दिन बताने की जरूरत नहीं, हम ऐसे देश में रहते है जहां 365 दिन में 700 त्योहारों का आनंद लेते है। सभी बहनों को व्रत रखने की बधाई।

यूनिवर्सिटी के दिनों को याद किया

उज्जैन के विक्रम विश्वविद्यालय का नाम बदलकर सम्राट विक्रमादित्य करने के बाद शुक्रवार शाम को सीएम डॉ मोहन यादव ने पट्टिका का अनावरण किया। इस दौरान सीएम ने मोहन यादव ने विक्रम यूनिवर्सिटी में पढ़ाई के दौर को याद करते हुए अपने कालेज के जमाने की बातें साझा की। उन्होंने कहा कि समय बदलता रहता है कल क्या हो नहीं पता। विक्रमादित्य का अपना वैभव रहा। विश्वविद्यालय के कुलगुरु ने अपना भवन मुझे दे दिया। विक्रम विश्वविद्यालय में पूर्व राष्ट्रपति डॉ शंकर दयाल शर्मा सहित शिव मंगल सिंह सुमन भी छात्र रहे है। आज कई विदेशी छात्र यहां पढ़ाई कर रहे है। इस दौरान सीएम ने कोरोना के कठिन समय को याद करते हुए पीएम की तारीफ की। उन्होंने कहा कि श्मशान में लाश जलाने की जगह नहीं थी। मैं याद करता हूं तो सिहरन उठ जाती है। सीएम ने कहा आज ऐसा लग रहा की दूसरी बार हमारा एडमिशन हो गया। और मुझे मार्क शीट मिल रही है।

उन्हेल के बाद सीएम अवंतिका कालेज में चल रहे कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पहुंचे। यहां से कालिदास अकादमी में दिव्यांगों को 75 गाड़ी वितरित की। इस दौरान संसद अनिल फिरोजिया भी उपस्थित रहे। उन्होंने बताया की पीएम के जन्मदिन पर बारिश के कारण कार्यक्रम नहीं हो पाया था। इस कारण आज दिव्यांगों के रोजगार के लिए डेढ़ करोड़ रुपए की गाड़ियां सीएम ने वितरित की साथ ही ग्रामीण इलाकों के लिए मुक्ति वाहन भी भेंट किए।

उज्जैन के देवासगेट थाने में पदस्थ एआईआई को हार्टअटैक मौत- सीएम की वीआईपी ड्यूटी से घर लौट रहे थे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

उज्जैन ● उज्जैन के देवास गेट थाने में पदस्थ एएसआई राधेश्याम भामोर (44) की हार्ट अटैक से मौत हो गई। शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात वे मुख्यमंत्री की वीआईपी ड्यूटी से घर लौटे थे। इसी दौरान उन्हें अचानक सीने में तेज दर्द हुआ। परिजन उन्हें तुरंत अस्पताल लेकर गए, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

शनिवार सुबह जब उनकी मौत की खबर फैली, तो पूरे पुलिस महकमे में शोक का माहौल है। एएसआई राधेश्याम को सभी मिलनसार और कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी के रूप में जानते थे। जानकारी के अनुसार राधेश्याम टेमरिया, पेटलावद (जिला झाबुआ) के रहने वाले थे। वे जून महीने में ही देवास गेट थाने में पदस्थ हुए थे। घटना की रात वे वीआईपी ड्यूटी पूरी कर घर लौटे थे। तभी अचानक तबीयत बिगड़ी। पत्नी और बच्चे उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे। थाने से भी कई पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे, लेकिन डॉक्टर उनकी जान नहीं बचा सके। परिवार वालों ने बताया कि उन्हें पहले से कोई बीमारी नहीं थी। ऐसे में अचानक हुए हार्ट अटैक और कम उम्र में मौत से सभी गहरे दुख में हैं।

नवजात की जान लेने वाली फर्जी डॉ.तैयबा पर एफआईआर दर्ज डिग्री न परमिशन फिर भी चलता रहा फर्जी क्लिनिक और मेडिकल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

उज्जैन ● उज्जैन में गलत इलाज कर नवजात की जान लेने वाली फर्जी डॉ. तैयबा पर घटना के 7 दिन बाद पंवासा पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। वहीं आशीर्वाद अस्पताल के बाद उनके क्लिनिक को भी सील कर दिया है। हालांकि, अभी डॉक्टर फरार है। 6 माह में 2 नवजात बच्चों की जान लेने वाली, डॉ. तैयबा के पास न डिग्री थी न क्लिनिक चलाने के लिए जरूरी संसाधन और न ही क्लिनिक का रजिस्ट्रेशन, फिर भी नियम विरुद्ध वो क्लिनिक के साथ-साथ एक मेडिकल भी फर्जी रजिस्ट्रेशन से संचालित कर रही थी। उज्जैन में 2 अक्टूबर को चिंतामन में रहने वाले लखन मालवीय की पत्नी काजल को डिलवरी का दर्द होने पर शासकीय अस्पताल जीवाजीगंज में लेकर गए थे। वहां पर मौजूद महिला सजनी तम्बोली ने डॉ. तैयबा शेख का पता बताया। मरीज को ज्यादा पीड़ा होने लगी तब परिजनों द्वारा छुट्टी की गुहार लगाई तो उनके द्वारा इमरजेंसी बताकर बताया कि पेट में जहर फैल जाएगा शहर के बड़े निजी अस्पताल ले जाने का बोला। यहां से पहले अपना अस्पताल ले गए वहा से काजल और उसके परिजनों को छोड़कर डॉ. तैयबा भाग गई। इसके बाद परिजन काजल को एसएन कृष्णा अस्पताल में लेकर आए जहां पर काजल की नार्मल डिलीवरी हुई, लेकिन बच्चे की मौत हो गई थी।

बीच में छोड़कर भागी थी मरीजों को - घटना में सिर्फ डॉ. तैयबा अकेली दोषी नहीं है। उसके साथ देने वाले अस्पताल भी उतने ही दोषी हैं। दरअसल आरोपी महिला डॉ गर्भवती काजल को पहले विशेष अस्पताल लेकर गई, इसके बाद उसका रात तक इलाज करती रही। यहां पर तबीयत बिगड़ी तो पाटीदार ब्रिज के पास अपना अस्पताल ले कर गई। यहां उनकी बिगड़ती हालत देखते हुए अस्पताल प्रबंधन ने उसे भर्ती करने से इंकार कर दिया। जिसके डॉ. तैयबा पति के साथ फरार हो गई।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अस्पताल सील किया

उज्जैन में नवजात की मौत के मामले में फर्जी डॉ. तैयबा पर कार्रवाई तेज हो गई है। एफआईआर दर्ज होने के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शुक्रवार को उसका निजी अस्पताल सील कर दिया। डॉ. तैयबा ने इसी अस्पताल में गर्भवती काजल का इलाज किया था। 2 अक्टूबर को चिंतामन में रहने वाले लखन मालवीय की पत्नी काजल को प्रसव पीड़ा होने पर डॉ. तैयबा शेख के मक्सी रोड स्थित पंवासा क्षेत्र के आशीर्वाद अस्पताल में ले जाकर भर्ती कराया गया था। इलाज शुरू कर काजल को खून की बोतल लगाई गई और दिनभर इलाज चलता रहा। हालत बिगड़ने पर डॉ. तैयबा उसे पाटीदार ब्रिज के पास अपने अस्पताल ले गईं और वहां से काजल और उसके परिजन को छोड़कर भाग गईं। परिजन काजल को एसएन कृष्णा अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसकी नॉर्मल डिलीवरी हुई, लेकिन नवजात की मौत हो गई।

कोर्ट ने ट्रक को छोड़े जाने पर उच्च स्तर के दबाव का संदेह जताया !

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में हुए भयावह ट्रक हादसे की सुनवाई 9 अक्टूबर को इंदौर में लगाई गई। इसमें चीफ जस्टिस ने जो सवाल पूछा, उससे सभी के होश उड़ गए। बता दें कि हादसे में मरने वालों की संख्या चार हो गई थी। इसमें 12 लोग घायल हुए थे। मामले में चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा ने खुद संज्ञान लेकर नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। इस मामले में एक सुनवाई जबलपुर बेंच में हुई जिसमें ट्रक के इंट्री के सीसीटीवी फुटेज मांगे गए थे।

चीफ जस्टिस के सवाल पर सभी चुप

चीफ जस्टिस ने सुनवाई के दौरान कहा, जो भी सुझाव बेंच द्वारा नियुक्त एमिकस को दिए जा सकते हैं, वह सभी वह सुझाव लेकर बेंच को पुटअप करेंगे। लेकिन हम यह अहम मुद्दा जानना चाहते हैं कि जो हमने इस घटना को लेकर खबरें देखी-पढ़ी हैं, उनमें कहा गया है कि ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों ने ट्रक को रोका था, लेकिन फिर उच्च स्तर के कहने पर इसे जाने दिया गया। इस संबंध में कोई तथ्य है, क्या यह वाकई हुआ है, और इस पर कोई जानकारी दे सकता है? इस पर सभी पक्षकारों के अधिवक्ताओं और खासकर शासकीय अधिवक्ता ने चुप्पी साध ली।

भारी वाहनों की इंट्री टाइम और जोन का सख्ती से पालन हो–चीफ जस्टिस और जस्टिस विनय सराफ की बेंच ने कहा कि जो भी शहर में भारी वाहनों के प्रवेश को लेकर नो इंट्री के विभिन्न टाइम जोन, रूट को लेकर नियम और प्रतिबंध हैं, उनका सख्ती से पालन किया जाए। इसमें किसी तरह की चूक नहीं हो। भविष्य में इस तरह के हादसे रोकने के लिए यह बेहद अहम है।

शासन से शपथपत्र भी मांगा

बेंच ने साथ ही एमिकस को दिए गए प्रारंभिक सुझाव पर कहा कि शासन इस मामले में शपथपत्र भी दे कि जो भी सुझाव आए हैं। इसमें जल्द, मध्यम और दीर्घ समय में उपाय करने हैं, वह किए जाएंगे। इसमें लगातार मॉनीटरिंग की जरूरत है, इसलिए इस केस को जबलपुर में ही रखा जाएगा। साथ ही, 10 नवंबर को फिर से सुनवाई की जाएगी।

अधिकारियों पर हुई थी कार्रवाई

इस मामले में मध्य प्रदेश शासन ने कई अधिकारियों को हटा दिया था। डीसीपी ट्रैफिक अरविंद तिवारी के साथ ही आठ अधिकारियों पर कार्रवाई हुई। इनमें एसीपी सुदेश सिंह, एएसआई बिजासन प्रभारी सुरेश सिंह, सुपर कॉरिडोर प्रभारी सूबेदार चंद्रेश मरावी और निरीक्षक सुपर कॉरिडोर से एरोड्रम तक के प्रभारी दीपक यादव को सस्पेंड करने के आदेश दे दिए गए हैं। साथ ही ड्यूटी पर तैनात चार कांस्टेबल निलंबित किए गए।

अब जांच में सब एक-दूसरे पर ढोल रहे

इंदौर में 15 सितंबर को ट्रक एमपी 09 जेडपी 4069 ने एरोड्रम एरिया में 17 लोगों को टक्कर मारी थी। इसमें तीन की घटना के दौरान और फिर अब एक और मौत हो गई। इसकी जांच चल रही है। इसमें डीसीपी ट्रैफिक प्रभारी व जोन 4 डीसीपी आनंद कलादगी सभी के बयान ले रहे हैं।

जानकारी के अनुसार बयान के दौरान निरीक्षक दीपक यादव ने कहा कि उनका काम बल का निरीक्षण करना है। निरीक्षक अर्जुन सिंह पंवार ने कहा कि मेरा काम तो ड्यूटी लगाना था, नो इंट्री में ट्रक से मेरा कोई लेना-देना नहीं। सूबेदार चंद्रेश मरावी ने कहा कि जिस जगह से ट्रक आया वह नो इंट्री में ही नहीं है। वहीं सिपाही देवेंद्र, राहुल और विजय ने अपनी ड्यूटी बोहरा समाज के कार्यक्रम में होने की बात कही।

वन विभाग का कमाल : सिफारिश निलंबन की थी, मिली आईएफएस बनने की हरी झंडी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्यप्रदेश राज्य वन सेवा के 24 अधिकारियों को आईएफएस (भारतीय वन सेवा) अवॉर्ड के लिए चयनित किया गया है। बुधवार को नई दिल्ली में विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की बैठक हुई। इसमें दो ऐसे अफसरों को भी शामिल किया गया, जिनमें एक की विभागीय जांच जारी है तो दूसरे को निलंबित करने की सिफारिश खुद वन विभाग ने शासन से की।

सूत्रों के अनुसार, डीपीसी में वर्ष 2011, 2012 और 2014 बैच के राज्य वन सेवा अधिकारियों के नामों पर चर्चा हुई। इनमें से 24 अफसरों को आईएफएस अवॉर्ड देने की अनुशंसा की गई।

इनमें 2012 बैच के एसीएफ बालकराम सिरसाम का नाम भी शामिल है। सिरसाम बालाघाट के लालबर्रा वन क्षेत्र में पदस्थ रहे। इस दौरान वहां बाघों के अवैध शिकार और शव जलाने के कई मामले सामने आए।

इन मामलों में सिरसाम पर लापरवाही बरतने के आरोप लगे। यहां तक कि वन विभाग ने दो माह पहले उनके निलंबन की सिफारिश भी शासन को भेजी थी। हालांकि, शासन स्तर से इस पर कोई निर्णय नहीं हुआ। बताया जाता है कि सिरसाम का नाम आईएफएस अवॉर्ड के लिए भेजे जाने के चलते ही विभागीय सिफारिश को ठंडे बस्ते में रखा गया। अवॉर्ड के लिए चयनित अधिकारियों में एक अन्य नाम 2009 बैच के एसडीओ रामकुमार अवधिया का है। अवधिया के खिलाफ ?अनियमितता से जुड़े एक मामले में विभागीय जांच जारी है। इसका अब तक निराकरण नहीं हो सका।अवधिया वर्तमान में खंडवा वन विकास निगम के डिवीजन प्रबंधक हैं। जांच लंबित रहने के बावजूद इनका नाम आईएफएस के लिए चुना गया है। वन मुख्यालय ने जिन अफसरों के खिलाफ निलंबन की सिफारिश की थी, उन्हीं को आईएफएस बनाने की हरी झंडी दे दी गई। यह प्रस्ताव दो महीने से शासन के पास विचाराधीन है, पर अब तक उस पर कोई निर्णय नहीं हुआ।

आईएफएस अवॉर्ड के लिए चयनित अधिकारी

सूत्रों के अनुसार, चयन सूची में रामकुमार अवधिया व बालकराम सिरसाम के अलावा जिन अधिकारियों के नाम चयन सूची में शामिल हैं, उनमें –राजेन्द्र मिश्रा, विद्या भूषण मिश्रा, माधव सिंह मोर्य, ज्योति मुढ़िया, संतोष कुमार रणछोरे, हरीशचंद्र बघेल, भानुप्रकाश बघवा, रामकिशन सोलंकी, रेशम सिंह धुर्वे, मोहन कटारा, अनुजा त्रिवेदी, जया पांडे, मनीषा पुरवार, मुकेश पटेल, धीरेंद्र प्रताप सिंह, प्रमोद सिंह, लाल सुधाकर सिंह, शोभा राही, बृजेंद्र कुमार खोब्रागडे, भारत सोलंकी, एल्विन बर्मन, अंतर सिंह ओहरिया, अविनाश जोशी, हमीदुल्लाह खान, संजय पाठक, आर. शुक्ला और राजेश शर्मा के नाम शामिल हैं।

सूत्रों के अनुसार जिन अफसरों के खिलाफ विभागीय जांच या निलंबन प्रस्ताव लंबित हैं, आईएफएस अवॉर्ड के लिए चयनित होने के बाद उन्हें क्लीन चिट मिलने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि यह सवाल अब भी बरकरार है कि जब तक जांच पूरी नहीं हुई, तब तक चयन समिति ने दागी अफसरों के नामों को हरी झंडी कैसे दे दी?

दागियों को आईएफएस अवॉर्ड की चयन सूची में शामिल करने पर वन बल ?प्रमुख वीएन अंबाडे कहते हैं-पहले अवॉर्ड हो जाए। इसके बाद ही इस विषय पर चर्चा करना ठीक होगा। अंबाडे तीन सदस्यीय चयन समिति के सदस्य भी हैं। दो अन्य सदस्यों में मुख्य सचिव अनुराग जैन व वन विभाग के अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल बैठक में शामिल रहे।

गड्ढे वाली सड़कों में भ्रष्टाचार पर ईओडब्ल्यू सक्रिय निगम अपर आयुक्त व अन्य को जांच में लिया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर की जर्जर और गड्ढों वाली सड़कों को लेकर बवाल मचा हुआ है। इसे लेकर पूरा शहर हलाकान है और निगम परिषद सम्मेलन में भी इसे लेकर हंगामा हुआ। इंदौर कांग्रेस लगातार प्रदर्शन कर रही है। अब इस मामले में ईओडब्ल्यू इंदौर की एंट्री हुई है। एजेंसी को हुई शिकायत के बाद इसे जांच के लिए लिया है। पूर्व पार्षद दिलीप कौशल की शिकायत में निगम के अपर आयुक्तों के साथ ही विविध इंजीनियर और अन्य अधिकारियों को भ्रष्टाचार के लिए जिम्मेदार बताया गया है।

इनकी शिकायत पर यह लिया केस

पूर्व पार्षद दिलीप कौशल ने इस मामले में शिकायत की थी। अब पुलिस अधीक्षक आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ इंदौर द्वारा दी गई सूचना अनुसार पूर्व पार्षद कौशल की शिकायत पर संगठन द्वारा शिकायत क्रमांक 433 / 2025 पंजीबद्ध होकर जांच की जा रही है।

पेंचवर्क के लिए 3 करोड़ भी दे दिए, सड़क उखड़ी

शिकायत में है कि वर्षाकाल खत्म होने को है लेकिन नगर निगम इंदौर द्वारा शहर की विभिन्न मुख्य सड़कों तथा कालोनियों की सड़कों के गड्ढे नहीं भरे गए हैं। डामर पेंचवर्क के नाम पर नगर निगम ने इस वर्ष जनवरी माह में टेंडर जारी किए थे, कुल 05 टेंडरों पर करोड़ों रुपए का पेंचवर्क इंदौर की सड़कों को सुधारने के लिए करना था।

मार्च में नगर निगम ने 5 पैकेजों के तहत लगभग 3 करोड़ रुपए का भुगतान किया था, जो सड़कों पर पेंचवर्क के नाम पर किया गया था। लेकिन, ये पेंचवर्क सिर्फ 5 दिनों में ही उखड़ गया, और वो भी वर्षाकाल से पहले। इसके कारण कई एक्सीडेंट हुए, जिनमें कुछ मौतें भी हुईं। नगर निगम के अफसर गड्ढों में चुरी भरने का खोखला दावा करते रहे और गड्ढे भरने के नाम पर करोड़ों का भुगतान मंजूर किया गया।

निगम के इन अधिकारियों के खिलाफ हुई है शिकायत–कौशल ने दस्तावेज सहित शिकायत ईओडब्ल्यू को की। शिकायत में अपर-आयुक्त देवधर दरवाई, अपर-आयुक्त अभय राजनगावकर, सेवानिवृत अधीक्षण-यंत्री डीआर लोधी, तत्कालीन कार्यपालन यंत्री असित खरे, सहायक यंत्री राजपूत, उपयंत्री उद्देय तिवारी, तत्कालीन कार्यालय अधीक्षक प्रशांत दिघे, मेसर्स एप्रोन टेस्ट लैब्स प्रा.लि, ठेकेदार राजेंद्र कुमार मंत्री फर्म- मेसर्स राजेंद्र कुमार कल्याणमल मंत्री सहित नगर निगम के 22 झोन पर पदस्थ कार्य प्रमाणित करने वाले यंत्रियों को जिम्मेदार बताया था। इनकी जांच हो रही है।

दीपावली पर्व 20 अक्टूबर को ही मनाया जाएगा, इंदौर में विद्वानों का सर्वसम्मत निर्णय

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, रामबाग, इंदौर में दीपावली पर्व की तिथि निर्धारण को लेकर विद्वानों की एक विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपस्थित सभी विद्वानों ने ज्योतिषीय गणना तथा धर्मशास्त्रीय निर्देशों के आधार पर विश्लेषण करते हुए 20 अक्टूबर को दीपावली महापर्व मनाना श्रेष्ठ एवं शुभ बताया।

बैठक का प्रारंभ डॉ. विनायक पाण्डेय तथा मप्र ज्योतिष एवं विद्वत् परिषद् के अध्यक्ष आचार्य रामचंद्र शर्मा 'वैदिक' विषय प्रवर्तन करते हुए कहा कि पंचांग एवं नक्षत्र गणना के आधार पर 20 अक्टूबर को दीपावली मनाने का पक्ष प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि शास्त्र में दोनों दिन लक्ष्मी पूजन करने के पक्ष अभिमत मिलते हैं, किन्तु 20 अक्टूबर को अमावस्या सायंकाल और प्रदोषकाल को प्राप्त हो रही है। अतः इस दिन दीपावली मानना शास्त्र सम्मत है। पूर्व राज्य मंत्री रुसिया एवं ज्योतिष विद्यापीठ परिषद् के संयोजक एवं पूर्व राज्यमंत्री योगेंद्र महंत तथा मां भुवनेश्वरी ज्योतिष संस्था के संचालक डॉ संतोष भार्गव ने एक तिथि - एक पर्व - एक उत्सव की भावना को पुनः दोहराते हुए सभी को 20 अक्टूबर को एकमत से दीपावली मनाने का आग्रह किया। इस अवसर पर डॉ. संतोष दाधीच, विजय अड़ीचवाल, डॉ सुरेश आर शर्मा, प्रद्युम्न दीक्षित, शिव मेहता, गिरीश व्यास, नारायण वैष्णव, राकेश राठौर सहित अनेक विद्वानों ने भी अपने मत प्रस्तुत किए और सर्वसम्मति से 20 अक्टूबर को दीपावली पर्व मनाने का निर्णय लिया।

कई विद्वानो ने ऑनलाइन सहभागिता की–खजराना के मुख्य पुजारी अशोक भट्ट, रणजीत हनुमान मंदिर के पुजारी दीपेश व्यास, पंचकुइया के महंत रामगोपालदास महाराज, विद्याधाम से राहुलकृष्ण शास्त्री, राजेश जड़िया, भागवत भूषण राजेश शास्त्री, बिजासन मंदिर के अशोकवन गोस्वामी, बड़ा गणपति मंदिर से अशोक दाधीच ने भी 20 अक्टूबर पर ऑनलाइन सहमति प्रदान की। स्वागत भाषण महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. विमला गोयल ने किया। संचालन आचार्य गोपालदास वैरागी ने किया। आभार प्रदर्शन डॉ. अभिषेक पाण्डेय ने किया।

बार और क्लब खोलने के नाम पर 3.60 करोड़ की ठगी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर क्राइम ब्रांच ने क्लब और बार खोलने के नाम पर करोड़ों की ठगी के मामले में चार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। शिकायत पुणे के कारोबारी अंकुर बग्गा ने की थी। उन्होंने बताया कि गौरव माखीजा, उनकी पत्नी रिया, करण शर्मा और उसकी पत्नी श्रेया ने मिलकर उनके और उनकी पत्नी के साथ 3 करोड़ 60 लाख रुपए की धोखाधड़ी की है।

अंकुर ने बताया कि साल 2021 में गौरव, जो उनके भाई का साढ़ू है, और करण शर्मा ने क्लब और बार खोलने का आइडिया दिया। उन्होंने बताया कि इस बिजनेस में 1.60 करोड़ रुपए लगेंगे और सालाना करीब 8 करोड़ की कमाई होगी। अंकुर और उनकी पत्नी दिव्या ने इस प्रस्ताव पर सहमति दी और 75% हिस्सेदारी के साथ पार्टनरशिप डीड बनाई गई।

क्लब खोलने के लिए क्लिफ्टन कॉरपोरेट, एबी रोड रोड स्थित सी सी बिल्डिंग में नगर निगम से अनुमति ली गई। इसके बाद गौरव और करण ने अंकुर और उनकी पत्नी के खाते से कुल 2 करोड़ 40 लाख रुपए लिए। क्लब 6 अक्टूबर 2023 को शुरू हुआ और 31 मार्च 2024 तक चला। चार्टर्ड अकाउंटेंट की रिपोर्ट के मुताबिक इस दौरान 6 करोड़ 33 लाख रुपए का कारोबार हुआ और करीब 1 करोड़ 35 लाख रुपए का प्रॉफिट हुआ। इसमें अंकुर के हिस्से का मुनाफा 67.83 लाख रुपए बताया गया, जो उन्हें नहीं दिया गया। सिर्फ 22 लाख रुपए अंकुर के और 21 लाख रुपए उनकी पत्नी के खाते में डाले गए।

दीपोत्सव के दौरान शहर में बिजली मांग 550 मैगावाट तक पहुंचने की उम्मीद

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● रोशनी के पांच दिनी त्योहार दीपावली के दौरान इंदौर शहर में अधिकतम बिजली मांग 550 मैगावाट तक पहुंचने की उम्मीद है। इसी के मद्देनजर बिजली कंपनी प्रभावी मेंटेनेंस करा रही है। शहर में इस दीपावली से पहले दो नए ग्रिडों पंचकुईयां और सिरपुर स्थित 5, 5 एमवीए के ग्रिड तैयार होकर बिजली मिलने लगी हैं, साथ अन्य तीन चार ग्रिडों की बिजली वितरण क्षमता में बढ़ोत्तरी की गई है। अब 138 सब स्टेशनों एवं 11 केवी के 566 फीडरों से बिजली वितरण होगा। इसके साथ ही आरडीएसएस अंतर्गत करीब तीन सौ नए ट्रांसफार्मर भी तीसों जोन क्षेत्रों में लगाए जाने के बाद मैदानी स्तर पर बिजली वितरण क्षमता बढ़ी है। इससे दीपावली पर बिजली की मांग बढ़ने पर भी आसानी से आपूर्ति हो जाएगी। वर्तमान में ट्रांसफार्मर के लक्स, डीओ ठीक करने, ग्रिड-फीडर पर वीसीबी, डिस्क, इंसुलेटर बदलने इत्यादि के कार्य हो रहे है।

दीपोत्सव के दौरान चौबीसों घंटे कार्मिकों की ड्यूटी लगाई जाएगी। पांच दिनी दीपावली पर्व के दौरान सबसे ज्यादा बिजली मांग धनतेरस यानि 18 अक्टूबर की शाम रहने की संभावना है। इस दिन बाजारों व घरों में उत्सवी माहौल रहता है, साथ ही शासकीय व प्रायवेट कार्यालय कार्यालयों में कार्य होने, उद्योगों का पूरी क्षमता से संचालन होने के साथ ही प्रायः सभी जगह दीपोत्सव की रोशनी होने से मांग सर्वाधिक बनी रहने की संभावना है।

प्रदेश में गिराई गई 200 पुरानी मस्जिद नहीं बनेगी दोबारा, मुस्लिम पक्ष को झटका

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्यप्रदेश हाई कोर्ट ने उज्जैन के महाकाल लोक परिसर के विस्तार के लिए प्रशासन के जमीन अधिग्रहण के बाद ढहाई गई करीब 200 साल पुरानी तकिया मस्जिद को फिर से बनाए जाने का अनुरोध करने वाली याचिका खारिज कर दी। अदालत ने मुस्लिम समुदाय के लोगों की याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी कि धर्म का पालन करने के संविधानप्रदत्त अधिकार का किसी विशेष स्थान से कोई संबंध नहीं है।

हाई कोर्ट की इंदौर पीठ के जस्टिस विवेक रुसिया और जस्टिस बिनोद कुमार द्विवेदी ने उज्जैन निवासी मोहम्मद तैयब समेत 13 लोगों की दायर अपील दोनों पक्षों की दलीलों पर गौर के बाद 7 अक्टूबर को खारिज कर दी। अपील के जरिए हाई कोर्ट के चार सितंबर के उस आदेश को चुनौती दी गई थी जिसमें उज्जैन की तकिया मस्जिद का पुनर्निर्माण और प्रशासन के खिलाफ जांच शुरू करने को लेकर याचिकाकर्ताओं की गुहार खारिज कर दी गई थी।

याचिकाकर्ताओं के अनुसार वे करीब 200 साल पुरानी तकिया मस्जिद में नमाज पढ़ते थे और 13 दिसंबर 1985 की राजपत्र अधिसूचना में इस धार्मिक परिसर को वक्फ संपत्ति घोषित किया गया था। याचिकाकर्ताओं के वकील सैयद अशहर अली वारसी ने हाई कोर्ट में अपील पर बहस के दौरान कहा कि इस मस्जिद की जमीन का अधिग्रहण और इसे ढहाया जाना देश के संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 के तहत नागरिकों को प्रदत्त धार्मिक अधिकारों का उल्लंघन है।

उन्होंने यह दलील भी दी कि यह स्थापित कानून है कि एक बार किसी संपत्ति को वक्फ संपत्ति घोषित कर दिया जाए, तो वह हमेशा के लिए वक्फ संपत्ति ही रहती है। राज्य सरकार की ओर से पैरवी करते हुए अतिरिक्त महाधिवक्ता आनंद सोनी ने याचिकाकर्ताओं की दलीलों को खारिज किया। उन्होंने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के एक न्याय दृष्टान्त का हवाला देते हुए कहा कि किसी संपत्ति के अधिग्रहण के बाद उस संपत्ति का उपयोग प्रार्थना के उद्देश्य से करने का अधिकार खो भी सकता है, लेकिन यह देश के संविधान के अनुच्छेद 25 में निहित उस गारंटी के विरुद्ध नहीं है जो किसी व्यक्ति को अपने घर या अन्यत्र उसके धर्म का पालन करने का अधिकार प्रदान करती है। हाई कोर्ट की इंदौर पीठ ने रेखांकित किया कि उज्जैन की तकिया मस्जिद की जमीन का अधिग्रहण कानूनी प्रक्रिया का पालन करके किया गया है और इसके बदले भूमि अधिग्रहण अधिकारी ने मुआवजा भी प्रदान किया है। अदालत ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्याय दृष्टांत का हवाला देते हुए कहा,%चूंकि धर्म का पालन करने के अधिकार का किसी विशेष स्थान से कोई संबंध नहीं है, इसलिए मस्जिद के रूप में इस्तेमाल की जा रही किसी विशेष भूमि के अधिग्रहण से इस अधिकार का उल्लंघन होना नहीं माना जा सकता।% इंदौर से करीब 50 किलोमीटर दूर उज्जैन हिंदुओं का प्रमुख धार्मिक केंद्र है जहां भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में शामिल महाकालेश्वर मंदिर के दर्शन के लिए हर रोज बड़ी तादाद में श्रद्धालु पहुंचते हैं। अधिकारियों ने बताया कि महाकालेश्वर मंदिर के पास बनाए गए महाकाल लोक परिसर के पार्किंग क्षेत्र का विस्तार करने के लिए प्रशासन ने आस-पास के इलाकों में भूमि अधिग्रहण किया था जिसके दायरे में तकिया मस्जिद की जमीन भी आ रही थी। उन्होंने बताया कि मुआवजा वितरण के बाद प्रशासन ने 11 जनवरी को तकिया मस्जिद को ढहा दिया था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : अक्षय तिवारी द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरुद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।